

आज
* अंतरराष्ट्रीय
वेदी दिवस

देश विदेश

उत्तराखंड में बारिश का रेड अलर्ट, चारधाम यात्रा रुकी

नई दिल्ली। उत्तराखंड में चमौली के हेमकुंड साहिब, बद्रीनाथ में शनिवार को बर्फ़बारी हुई। वहीं, गिथौरागढ़-घाट सड़क पर भूस्खलन के चलते 300 से ज्यादा गाड़ियां फंस गई हैं। चारधाम यात्रा दो दिनों के लिए रोक दी गई है। अर्नब चक्रवर्त के असर से उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 8 राज्यों में तेज बारिश हो रही है। बंगाल की खाड़ी में बना मौसमी सिस्टम अब दक्षिण छत्तीसगढ़ से उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ रहा है। इसके चलते राजस्थान-मध्य प्रदेश समेत 14 राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश में करीब 48 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। 40-50 किमी/घंटे की हवाएं चल रही हैं।

दो सेना प्रमुख समेत 14 लोगों की विमान हादसे में मौत

किशासा। मध्य अफ़्रीकी देश डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ़ कांगो (डीआर कांगो) से एक बेहद दर्दनाक विमान हादसे की खबर सामने आई है। सेना का एक विमान तकनीकी खराबी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें दो शीर्ष सैन्य जनरलों समेत सवार सभी 14 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में देश की सैन्य अदालत के प्रमुख और सशस्त्र बलों के ऑडिटर जनरल जैसे उच्च पदस्थ अधिकारी शामिल हैं। इस भीषण त्रासदी के बाद कांगो की सेना और रक्षा महकमे में शोक की लहर दौड़ गई है।

पाकिस्तानी पीएम की धमकी पानी रोकना जंग जैसा

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने यूएन में भारत को जंग की धमकी दी। उन्होंने कहा कि भारत सिंधु नदी का पानी न रोके। पानी रोकने की कोशिश को पाकिस्तान युद्ध की कार्रवाई मानेगा। शहबाज शरीफ ने यूएन में कश्मीर का मुद्दा भी उठाया। शहबाज ने कहा कि कश्मीर हमारे लिए गर्दन की नस है। कश्मीर का मुद्दा उठाने पर यूएन में भारत की फर्स्ट सेक्रेटरी पेटल महलोल ने कहा कि पाकिस्तान को अवैध कब्जे वाले कश्मीर की हालत देखनी चाहिए। शहबाज शरीफ ने अपने भाषण में पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव का भी जिक्र किया।

रीति तिवारी की आपत्तिजनक टिप्पणी पर भड़के सलमान



बोले- किसी का अपमान करने की भी एक सीमा होनी चाहिए, आपको इस पर गर्व क्यों है

मुंबई। सलमान खान ने रीति तिवारी को उद्दिष्ट सिंह और काजी तौकीर के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर फटकार लगाई। बिग बॉस 20 के इस हफ्ते के वीकेंड का वार के प्रोमो में सलमान ने रीति से पूछा कि वह अपनी बातों पर गर्व क्यों कर रही हैं और कहा कि किसी का अपमान करने की भी एक लिमिट होनी चाहिए। दरअसल, हाल ही में एक डिस् बेटल के दौरान रीति तिवारी ने उद्दिष्ट सिंह और काजी तौकीर को लेकर टिप्पणी की थी। टास्क खत्म होने के बाद भी रीति अपने बयान पर कायम रहीं। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने किए पर गर्व है और उन्हें भरोसा है कि उनके पिता भी उन पर गर्व करेंगे। आने वाले वीकेंड का वार के प्रोमो में सलमान खान रीति के व्यवहार पर सवाल करते नजर आएंगे। सलमान ने कहा कि रीति काजी से जलती हैं और असुरक्षित महसूस करती हैं। इस पर रीति ने कहा कि वह काजी से नहीं जलतीं, बल्कि उन्हें एक व्यक्ति के तौर पर पसंद नहीं करतीं। इसके बाद सलमान ने टास्क के दौरान उद्दिष्ट और काजी के खिलाफ की गई रीति की टिप्पणियों पर बात की।

नैनो न्यूज

- नागपुर-मुंबई** दूरंतो एक्सप्रेस पर पथराव, टूटे एसी कोच के शीशे, यात्रियों में मचा हड़कंप, आरपीएफ कर रही जांच।
- मुंबई** : इंटरनेट पर फ्री टीवी देखना अब नहीं रहेगा मुफ्त, ट्राई की नई तैयारी से टेक कंपनियों में खलबली।
- लखनऊ** : पाकिस्तान ने गड़बड़ की तो ब्रह्मोस से नेस्तनाबूद कर देंगे, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने दी नसीहत।
- कोलकाता** : टीएमसी विधायक कुणाल घोष की कार पर हमला, ममता की रैली में जाते समय अंडे फेंके, शीशा तोड़ा, 4 महीने में तीसरी बार हमला हुआ।
- वाशिंगटन** : एआई एजेंट की अमेरिकी सरकारी वेबसाइट्स से छेड़छाड़, डेटा एक्सेस कर इंटरनेट पर डाला, कंपनी बोली-सटीक जानकारी जुटाना मकसद था।
- नई दिल्ली** : चीन के रूट से हट रहे इंटरनेट केबल, अब ये हिंद महासागर में बिछ रहे, भारत को फायदा; दुनिया का 99% डेटा समुद्र के नीचे चलता है।

देवास रोड पर स्कूल के सामने शराब का कारोबार, इंदौर रोड पर शनि मंदिर के आसपास और तपोभूमि से पहले बड़ा शराब आउटलेट

स्कूल और मंदिरों के रास्ते पर शराब, शराब बन्दी किस दायरे में?

दैनिक अवन्तिका ►► उज्जैन

देवास रोड पर निर्मला कॉन्वेंट स्कूल के लगभग सामने बड़ा शराब आउटलेट अलग ही संदेश देता नजर आता है। जिस मार्ग से शहर में प्रवेश होता है, उसी क्षेत्र में शिक्षण संस्थान के सामने शराब की दुकान का होना नागरिकों के लिए सवाल खड़े करता है। दूसरी ओर इंदौर रोड पर नवग्रह शनि मंदिर के आसपास और तपोभूमि से पहले बड़ा शराब आउटलेट धार्मिक नगरी की शराबबंदी की मंशा को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है।

शहर के भीतर बंदी, मुहाने पर शराब-सरकार ने शहर के भीतर शराब कारोबार पर रोक लगाई, लेकिन यदि प्रमुख प्रवेश मार्गों पर बड़े आउटलेट सक्रिय हैं तो यह देखना जरूरी है कि शराबमुक्ति की नीति का वास्तविक असर कितना हुआ। शहर के भीतर दुकान का शटर गिरने के बाद श्राहक को कुछ किलोमीटर बाहर जाकर वही शराब उपलब्ध हो जाए तो सवाल केवल दुकान के स्थान का नहीं, बल्कि नीति की भावना का भी है। शहर के अंदर शराब नहीं, लेकिन शहर के दरवाजे पर बड़े शराब केंद्र-क्या यही शराबमुक्त धार्मिक नगरी की परिकल्पना है?

इंदौर रोड का मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिशा में नवग्रह शनि मंदिर और आगे तपोभूमि जैसे धार्मिक स्थल हैं। तपोभूमि जैसा समाज का महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है, जहां देशभर से श्रद्धालु आते हैं और जैन साधु-संतों का भी आगमन होता रहता है।



तपोभूमि के रास्ते पर शराब का कारोबार

ऐसे मार्ग पर बड़े शराब आउटलेट की मौजूदगी को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि धार्मिक नगरी को शराबमुक्त करने की नीति में धार्मिक स्थलों की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों और शहर के प्रवेश क्षेत्रों को किस दृष्टि से देखा गया है।

तेलंगाना में गणेश उत्सव के समापन और प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए हादसों में

सब-इंस्पेक्टर समेत 13 लोगों की मौत, 26 गंभीर घायल

एजेंसी ►► हैदराबाद

तेलंगाना में गणेश उत्सव के समापन और प्रतिमा विसर्जन के दौरान कई दर्दनाक हादसों की खबर सामने आई है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में विसर्जन समारोहों के दौरान हुई अलग-अलग दुर्घटनाओं में 13 लोगों की असमय जान चली गई, जबकि 26 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जान गंवाने वालों में द्यूटी पर तैनात एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर भी शामिल हैं। इस दुखद घटनाक्रम की आधिकारिक पुष्टि खुद तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद ने की है।

डीजीपी सीवी आनंद ने शनिवार को मीडिया से जानकारी साझा करते हुए बताया कि राज्यभर में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान



विभिन्न स्थानों पर अनहोनी घटनाएं सामने आईं। इन त्रासदियों में एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर सहित कुल 13 लोगों ने अपनी जान गंवाई और 26

बदनावर में गणेश विसर्जन के दौरान तालाब में डूबने से तीन युवकों की मौत

दैनिक अवन्तिका ►► बदनावर

धार जिले के बदनावर में अनंत चतुर्दशी पर गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान शुकुवार शाम हादसा हो गया। डोलची रोड स्थित पोखर में डूबने से तीन युवकों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तीनों को बाहर निकालकर सीपीआर देने की कोशिश की। इसके बाद तीनों को सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतकों की

पहचान पवन उर्फ कान्हा राठौड़ (19), राहुल प्रजापत (20) और निहाल भाभी के रूप में हुई है। पवन सुभाष मार्ग, बदनावर का रहने वाला था। राहुल और निहाल सरस्वती कॉलोनी में रहते थे। बताया जा रहा है कि तीनों युवक दोस्तों के साथ गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए डोलची रोड स्थित पोखर पहुंचे थे। प्रतिमा विसर्जन के दौरान वे गहरे पानी में चले गए और डूब गए।

हुए-क्या यह पानी में डूबने से हुए या भीड़ और अन्य दुर्घटनाओं के कारण- इसको लेकर विस्तृत प्रशासनिक रिपोर्ट जुटाई जा रही है।

एसआईआर में नाम छूटा, अधिकारी घर जाकर दस्तावेज लेंगे

दैनिक अवन्तिका ►► नई दिल्ली

एसआईआर पर विवाद के बीच शनिवार को दिल्ली में चुनाव आयोग की अहम बैठक हुई। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव अधिकारी डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक

जोशी मौजूद रहे। बैठक में फैसला लिया गया कि बिहार और पश्चिम बंगाल सहित 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष पुनरीक्षण का काम पूरा हो चुका है। इस दौरान किसी व्यक्ति का नाम छूट गया है, या कोई नया मतदाता है, तो वह लिस्ट में अपना नाम शामिल करवाने के लिए आवेदन कर सकता है।

गया पितृपक्ष मेला आ रही 60 तीर्थयात्री से भरी नेपाली बस धू-धू कर जली

एजेंसी ►► खगड़िया

बिहार के खगड़िया जिले में शनिवार की सुबह एनएच-31 पर बड़ा हादसा बड़ा हादसा हो गया। मानसी थाना क्षेत्र में अनिल होटल

के सामने चलती सीएनजी यात्री बस में अचानक आग लग गई। बस में करीब 50 से 60 तीर्थयात्री सवार थे। आग लगते ही बस के अंदर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई।

बस में आग लगने की जानकारी मिलते ही यात्रियों में हड़शत फैल गई। जान बचाने के लिए यात्री बस से बाहर निकलने लगे। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी यात्रियों को सुरक्षित

बस से बाहर निकाल लिया गया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के मुताबिक, बस नेपाल से आ रही थी और उसमें सवार तीर्थयात्री गया जी में पिंडदान के लिए जा रहे थे।

सुगम परिवहन सेवा पर सवाल- रंग बदला, हाल वही, कांग्रेस ने लिखा

खाटारा बसों को हरी झंडी दिखाई

दैनिक अवन्तिका ►► भोपाल

सुगम परिवहन सेवा में जिन 351 बसों को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हरी झंडी दिखाई, उन पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर यह मामला चर्चा में है। वहीं, कांग्रेस ने इसे लेकर लिखा कि खाटारा बसों को नितिन गडकरी और मोहन बाबू ने हरी झंडी दिखाई। वाह रे सुगम परिवहन!

बता दें कि 25 सितंबर से मध्य प्रदेश में 21 साल बाद सरकारी बस सेवा फिर शुरू हो गई। केंद्रीय मंत्री गडकरी और सीएम डॉ. यादव ने भेल दशहरा मैदान से बसों के साथ मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा लॉन्च की। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, देवास, कटनी और पिंड ने इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसें चलेगीं। इनमें 180 इलेक्ट्रिक बसें हैं, जो एयर कंडिशन होकर हाईटेक हैं।

बाकी 171 बसें वे हैं, जो शहरों में सिटी बस के तौर पर चलाई जा रही हैं। इनमें भोपाल की भी 58 बसें शामिल हैं। अब तक यह बसें लाल रंग में थीं और भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड के अंतर्गत आती थीं, लेकिन अब इन्हें एक ही एजेंसी एम्पी यात्री परिवहन कंपनी चलाएगी। नई व्यवस्था के बाद इन बसों पर रेंडियम चरमपें के साथ ऑरेंज कलर भी किया। ताबड़तोड़ हुए इसी काम को लेकर सवाल उठे हैं।

सरकार ने भले ही पुराने बसों को नए



कलेवर में बदला हो, लेकिन जब ये सड़कों पर दौड़ रही है तो उनके हाल बुरे ही है। अधिकांश डीजल बसें 7 से 8 साल पुरानी हैं। भोपाल में अक्सर बसों में खराब और धुआं निकलने के मामले भी सामने आ चुके हैं, तो कई बार बसें चलते-चलते ही सड़क पर खड़ी हो चुकी है। कई बसों के अंदर सीटें उखड़ रही तो हैंडल तक उखड़ चुके हैं। सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन भी बंद है। यानी, बाहर से बेहतर और अंदर से कबाड़ जैसी स्थिति है।

जिम्मेदार नहीं बता पाए कि ऐसा क्यों किया?

इस मामले में जिम्मेदार अफसरों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। भोपाल जिला प्रशासन के पास पूरे कार्यक्रम का जिम्मा था, लेकिन वह यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि सुगम परिवहन सेवा में नई-पुरानी दोनों तरह की बसें शामिल की गई हैं। इसलिए बसों को एकरूपता देने के लिए ऐसा किया गया। इस सेवा में सभी बसों एक विभाग के अंदर में आ जाएगी। जैसे भोपाल में भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड के साथ पीएम बस सेवा का संचालन किया जा रहा है। ऐसा ही इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर-उज्जैन समेत अन्य शहरों में भी है। स्मार्ट सिटी सीईओ अंजु अरुण कुमार का कहना है कि बसों को एकरूपता देने के लिए संबंधित कंपनी ने ही उन पर कलर किया। निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने बताया कि बसें एम्पी यात्री परिवहन कंपनी के अधीन हो गई हैं।

Marketed by

SOS

INFRABULLS

INTERNATIONAL PVT LTD

Security. Opportunity. Growth.

PROJECTED BY:

RB

RUDRAAKSH

GROUP

इंदौर-उज्जैन रोड

के नजदीक

₹1 लाख

के डाउन पेमेंट में प्लॉट

बाकी बैंक लोन द्वारा

बेहतर लोकेशन

लाभदायक निवेश

प्रविध्य के लिए सुरक्षित

आपके परिवार के सपनों का आशियाना

LIMITED PLOT AVAILABLE

LIMITED TIME OFFER

HURRY UP..!

प्रॉपर्टी निवेश के लिए अभी कॉल करें

More Information Call

Gunjan Shrivastava

Mob. 9179280723

Mob. 9179703509

एक प्लॉट, बड़े सपनों की शुरुआत...

₹ 51,000

SUPPORT US

₪ f y in

www.sosinfrabulls.in



खुसूर-फुसूर

सरकारी एजेंसी बनी भूमाफिया

घर और भूखंड बनाने की एक अर्द्ध शासकीय एजेंसी ने भूमाफिया की तरह से एक संस्था के 24 भूखंडों को हजम कर गई है। भूखंडों के मालिकों के पास कब्जा है और उसके बाद भी उनकी जमीनों का अधिग्रहण कर लिया गया। 1990 से पूर्व संस्था ने अपने सदस्यों को भूखंडों की रजिस्ट्री कर दी वहां रोड,नाली सब कुछ विकास कार्य कर दिए गए । नगर विकास की योजना बनाने वाले सरकारी विभाग ने नक्शा पास किया और सभी वैधानिकता की स्वीकृति दी गई। यहां तक की नगर की संस्था में सभी टैक्स भी जमा संबंधित नागरिक करवा रहे हैं नामांतरण भी हो गया। इसके बाद घर और भूखंड बनाने वाली अर्द्ध शासकीय एजेंसी की और से एक योजना लाकर शिप्राजलि को तिलांजलि देते हुए नोटिस दे दिया और उस पर अपनी कार्रवाई करते हुए अधिग्रहण कर लिया गया। शिप्रांजलि के तमाम वैधानिक स्थितियों को तिलांजलि देते हुए कालांतर में अधिकारियों ने अपनी मनमर्जी दिखाई और इसे न्यायालय ने अपने आदेश में भी लिखा। इसके बाद भी कालोनी की वैधानिक स्थितियों को रोका जा रहा है। अधिकारी भी इसे गलत मानते हैं लेकिन उस मामले में कुछ भी करने को तैयार नहीं हैं। खुसूर झफूसूर है कि वैधानिकता की दुहाई देने वाले ही अवैधानिक कार्यों के अंजाम देने में संलग्न रहे हैं। ऐसे ही शिप्रा नाम पर पूर्व में अर्द्ध शासकीय एजेंसी ने भूखंड दिए जिनके मामले न्यायालय में लंबित हैं और विवादित भूमि पर ही ये भूखंड नागरिकों को दे दिए थे। वर्षों बाद भी इन भूखंडों को लेने वाले नागरिकों को न तो पैसा वापस मिल रहा है न ही भूखंड ही मिल पा रहे हैं। एक नहीं अनेकों मामले ऐसे सामने हैं।

नैनो न्यूज

- अनंत चतुर्दशी पर** श्रीराम भक्त मंडल के भंडारे में उमड़ें श्रद्धालु, 5 हजार से अधिक ने पाई प्रसादी, फ्रीगंज के अशोक नगर चौराहे पर विगत 28 वर्षों से निरंतर जारी है आयोजन
- गजानंद गणपति** को लगा 56 भोग, सांवरिया सेठ के स्वरूप में सजा दरबार, गोईया परिवार ने किया 12 दिवसीय गणेशोत्सव का समापन, चार चूहों के रथ पर सवार श्रीगणेश का हुआ अद्भुत श्रृंगार
- झूठे सुसाइड नोट** और धमकियों से नूरी खान को खतरा, कांग्रेस नेताओं के साथ एसपी को सौंपा ज्ञापन, हिस्ट्रीशीटर उमर खान पर सोशल मीडिया के जरिए बदनाम कर झूठे केस में फंसाने की साजिश का आरोप
- इको फ्रेंडली विसर्जन** के साथ संपन्न हुआ खंडेलवाल समाज का गणेशोत्सव, बुधवारिया स्थित समाज भवन में आयोजित हुए विविध कार्यक्रम, जलपात्र में जलाभिषेक कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश
- राठौर समाज** का सामूहिक अनंत चौदस व्रत उद्यापन, 14 जोड़ों ने पूर्णाहुति देकर की सुख-समृद्धि की कामना, कार्तिक चौक स्थित राठौर धर्मशाला में लगतार चौथे वर्ष हुआ आयोजन, प्रदेशभर से शामिल हुए समाजजन
- श्रम मंत्री के नाम ज्ञापन** देने पहुंचे आउटसोर्स कर्मचारी, अधिकारी नदारद रहने पर जताया आक्रोश, पूर्व सूचना के बावजूद सहायक श्रम आयुक्त और इंस्पेक्टर नहीं मिले उपस्थित, ठेकेदारों से मिलीभगत का आरोप
- तपोभूमि व शांतिनाथ** जिनालय में उत्तम ब्रह्मचर्य की आराधना के साथ पर्युषण महापर्व संपन्न, वासुपूज्य भगवान के मोक्ष कल्याणक पर चढ़ाया निर्वाण लाडू, मुनि प्रणीत सागर व प्रभा दीदी के सानिध्य में हुए अनुष्ठान, अब मनैगा क्षमावाणी पर्व
- कड़ाव में किया** मिट्टी के श्रीगणेश का विसर्जन, पौधों में सींचा जल, विधायक कालुहंडा के नेतृत्व में लोकमान्य तिलक आयोजन समिति ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, 12 वर्षों से जारी है परंपरा



गणपती बप्पा मोरिया : हीरामिल कुंड पर प्रतिमाओं का एकत्रीकरण, केडी पैलेस पर विधिवत हुआ विसर्जन

जयकारों के साथ दी गणपति बप्पा को विदाई

ढोल नगाड़ों के साथ नाचते झूमते हुए विसर्जन स्थल पहुंचे, विसर्जन स्थल पर जिला प्रशासन व पुलिस रही मौजूद



दैनिक अवन्तिका ►► उज्जैन

शहर में शुक्रवार को गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष के साथ गणेश जी को विदाई दी गई। उज्जैन में बारह दिवसीय गणेश उत्सव का शुक्रवार को समापन हुआ। लोगों ने ढोल-नगाड़ों के साथ शोभा यात्रा निकालकर गणेश जी का विसर्जन किया। शोभायात्राओं में श्रद्धालुओं ने जमकर गुलाल उड़ाते हुए गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू-जल्दी आना, देवा हो देवा, गणपति देवा, तुमसे बढ़कर कौन के भजन गुंजते नजर आए।

गणेश विसर्जन यात्राओं में महिलाएं नाचते गाते हुए चल रही थीं। मार्ग का वातावरण भक्ति से ओत-प्रोत नजर आया। इसके बाद शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गणेश प्रतिमाओं को विसर्जन स्थल लेकर पहुंचे। हीरामिल कुंड पर प्रतिमाओं को एकत्रीकरण किया गया उसके बाद वाहन द्वारा केडी पैलेस पर विधिवत विसर्जन किया गया। जिला प्रशासन पुलिस और नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे। विसर्जन से पहले भक्तों ने पूजा-अर्चना भी की। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला अभी कुछ दिन और चलेगा।



हीरामिल कुंड पर प्रतिमाओं का एकत्रीकरण, केडी पैलेस पर विधिवत विसर्जन

नगर निगम द्वारा निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देशानुसार गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थी। नगर निगम द्वारा हीरामिल कुंड सहित शिप्रा नदी के प्रमुख घाटों रामघाट, गरुघाट, मंगलनाथ घाट, सिद्धवट विसर्जन स्थलों पर प्रतिमाओं के एकत्रीकरण एवं सुरक्षित विसर्जन की व्यवस्था की गई। हीरामिल कुंड पर श्रद्धालुओं द्वारा लाई गई गणेश प्रतिमाओं के एकत्रीकरण के लिए निगम द्वारा विशेष वाहनों की

व्यवस्था की गई जिनके माध्यम से प्रतिमाओं को विधिवत पूजन-अर्चन के पश्चात केडी पैलेस ले जाकर निर्धारित स्थल पर विसर्जित किया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं मौसम को देखते हुए हीरामिल कुंड पर वाटरपूफ टेंट भी लगाए गए, जहां श्रद्धालुओं द्वारा गणेश प्रतिमाओं का पूजन-अर्चन एवं आरती कर उन्हें निगम की निर्धारित व्यवस्था के माध्यम से विसर्जन हेतु सौंपा गया। निगम की टीम द्वारा पूरे आयोजन के दौरान व्यवस्थाओं की सतत निगरानी की गई।

करोड़ों की जमीन के वृद्ध दानदाता दंपति के आंसू निकले तो छात्र शक्ति गुस्साकर उबल पड़ी

3 माह में पूर्ण होगा माकड़ौन कॉलेज भवन

लोक निर्माण विभाग ने उच्च शिक्षा विभाग से जारी राशि को दूसरी योजना में उपयोग किया

दैनिक अवन्तिका ►► उज्जैन

जिले के माकड़ौन तहसील में एक दशक पूर्व महाविद्यालय की शुरुआत हायर सेकेंडरी स्कूल के 3 कक्षों में कर दी गई थी। महाविद्यालय भवन को लेकर दान में मिली 8 बीघा जमीन पर पिछले 8 वर्ष से भवन का निर्माण जारी है। भवन नहीं होने से विद्यार्थियों को हो रही परेशानी के चलते जमीन के दानदाता दंपति एवं छात्र शक्ति ने एकजुटता के साथ आंदोलन छेड़ा तो लोक निर्माण विभाग अगले तीन माह में कालेज भवन को पूर्ण कर देने के लिए तैयार हुआ है।



- **रो पड़े दानदाता निःसंतान दंपति**-चक्काजाम का सबसे मार्मिक पक्ष ये रहा कि दानदाता दंपति उसमें शामिल रहे और विद्यार्थियों ने जब उनसे संबोधन का कहा तो उनका कहना था कि धैर्य जवाब देने लगा है वे रोते हुए बोले की हम इसी जन्म में इन्हीं आँखों से जिस कार्य के लिए हमने भूमि दान दी है उस भवन में बच्चों को पढ़ता देखना चाहते हैं ,कही ऐसा ना हो की भवन अधूरा रहे और भगवान का बुलावा आ जाए। दानदाता के मार्मिक शब्दों से चक्काजाम में शामिल सैकड़ों विद्यार्थी भी रो पड़े।
- **ऐसे निकला परिणाम 3 माह में पूर्ण होगा काम**- चक्काजाम का परिणाम यह निकला कि ताबड़तोड़ 31 दिसंबर तक कॉलेज भवन उच्च शिक्षा विभाग को हैंडओवर करने का लिखित आश्वासन विद्यार्थियों एवं जमीन दानदाता को दिया गया है। तहसीलदार रमेशचंद्र सिस्तीदिया बताते हैं कि यह काम पिछले कई वर्षों से चल रहा था। ठेकेदार का भुगतान रुका होने की स्थिति में उसने अंतिम दौर का काम रोक दिया। शहर के मुख्य मार्ग पर विद्यार्थियों ने जमीन के दानदाता के साथ चक्काजाम आंदोलन किया। उन्हें लोक निर्माण विभाग पीआईयू ने लिखकर दिया है 3 माह में कार्य पूर्ण कर भवन हैंडओवर किया जाएगा। इसके बाद आंदोलनकारी माने। यह पूरा आंदोलन नगर के मुख्यमार्ग मंडी चौराहा पर किया गया।



3 कमरे का कॉलेज 22 का स्टाफ

हायर सेकेंडरी भवन के 3 कमरों में एक दशक से ज्यादा समय से चल रहे महाविद्यालय में यहां माकड़ौन कस्बा सहित आसपास के 50 गांव से ज्यादा के करीब 550 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इनके अध्यापन के लिए पीएससी से 3 प्रोफेसर एवं 18 गेस्ट फेकल्टी यहां पदस्थ हैं। प्राचार्य अनिल दीक्षित बताते हैं कि कार्यालयीन कार्य के लिए यहां 4 कर्मचारी के पद रिक्त हैं। मेरे सहित कुल 22 का स्टाफ यहां हैं।

धैर्य टूटा आखिर भविष्य का सवाल है

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नगर मंत्री बलवानसिंह राजपूत का कहना था कि महाविद्यालय के निर्माणधीन भवन को बनते बनते 8 साल हो चुके व कई बार जनप्रतिनिधियों से अनुनय विनय करने के बाद भी की कोई हल नहीं निकला जो आज गुस्से में तब्दील हुआ है ये विद्यार्थियों के भविष्य का सवाल है।

भुगतान नहीं तो काम नहीं

महाविद्यालय बनाने वाले ठेकेदार संजय बागड़ी का कहना था कि मेरे 55 लाख रुपए उक्त महाविद्यालय के शासन की ओर बकाया है जबकि 5% भी काम अधूरा नहीं है जब तक मेरे खाते में पूरा अमाउंट नहीं आया मैं काम नहीं कर सकता हूँ, क्योंकि मैं भी सालों से अपनी जमा पूंजी लगा कर बैठा हूँ।

एक पत्र से आंदोलन में गर्माहट फैली

धरना के बाद एक दम से पूरे आंदोलन में तेजी आने के पीछे का कारण सामने आया कि उच्च शिक्षा विभाग की ओर से 22 सितंबर 26 का एक पत्र विद्यार्थियों के हाथ लग गया जिसमें विभाग के आयुक्त प्रबल सिपाहा ने मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग को माकड़ौन महाविद्यालय भवन निर्माण को लेकर लिखा था इसमें खुद उन्होंने लिखा है कि शासकीय महाविद्यालय माकड़ौन के भवन निर्माण हेतु राज्य शासन के आदेश 09.02.2018 द्वारा राशि रु. 546.17 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। संदर्भित पत्र दिनांक 08.06.2026 द्वारा अवगत कराया गया है कि शासकीय महाविद्यालय माकड़ौन की आई.डी. से योजना क्रमांक-7643 के अंतर्गत अन्य दो विभागीय निर्माण कार्य का भुगतान कर दिया गया है एवं माकड़ौन की आई.डी. में राशि उपलब्ध नहीं है। यह प्रकरण दिनांक 10.07.2026 को स्थायी वित्तीय समिति के संज्ञान में लाया जा चुका है। श्री सिपाहा ने पत्र में लिखा कि प्रशासकीय स्वीकृति की सीमा के अंदर अन्य आई.डी. के माध्यम से भुगतान कर कार्य शीघ्र पूर्ण कराने हेतु अनुमति प्रदान की जाती है। इस विषय में लोक निर्माण विभाग के संबंधित अधिकारी के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही कर अवगत कराने का कष्ट करें।

जाए। इसका नाम शिव-लक्ष्मी महाविद्यालय किया जाए। इस दौरान दानदाता दंपति ने भी छात्र शक्ति को

संबोधित किया और उन्होंने कहा कि कालेज की शुरुआत होने पर वे उद्घाटन पर भी जमकर खर्चा करेंगे। माता

सरस्वती की प्रतिमा स्थापना स्वयं के व्यय से लगावारे सात दिवसीय भागवत कथा व भंडारा विद्यार्थी हित में करेंगे।

स्वच्छता सर्वोपरी थीम पर सफाई



दैनिक अवन्तिका ►► उज्जैन

नगरनिगम द्वारा अनंत चौदस पर सुबह सार्वजनिक स्थलों पर साफ सफाई अभियान चलाया गया। स्वच्छता सर्वोपरी थीम पर विभिन्न वाडों मे स्थित महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई व पार्क आदि साफ किए गए। नानाखड़ा स्थित पं दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा को टैकर से धोकर आसपास की खरपतवार व घांस हटाई गई। इस अवसर पर सफाईकर्मियों के साथ क्षेत्र के मेट व दरोगा सहित सुपरवाइजर उपस्थित थे।

शंकु यंत्र से समझी विषुव की अवधारणा

दैनिक अवन्तिका ►► उज्जैन

वर्ष के एकमात्र दिवस पर दिन व रात की अर्वाधि बराबर होती है। सितम्बर माह की 23 तारीख को दिन व रात्रि बिल्कुल बराबर अवधि के होते हैं। इसे विषुव या इक्विनोक्स की अवधारणा कहते हैं। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शास्त्रीनगर के भूगोल विषय के व्याख्याता निरंजनकुमार बेलिया ने स्वयं की मेहनत से तैयार किए गए शंकु यंत्र से उक्त अवधारणा छात्र छात्राओ को समझाई। शैक्षणिक



गतिविधि के अंतर्गत शिक्षकों ने पृथ्वी की धुरी, दिन व रात की घटना व परछाई के बारे में विद्यार्थियों को शंकु यंत्र की रेखाओं के माध्यम से समझाया।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य उमा शर्मा, व्याख्याता अंकित शर्मा, चेतपालसिंह चौधरी व विवेकानंद व्यास उपस्थित थे।

उज्जैन के बाँडी बिल्डर अफराज का भारतीय टीम में चयन



दैनिक अवन्तिका ►► उज्जैन

थाईलैंड में 26 से 28 सितंबर तक आयोजित होने वाली 58वीं एशियाई बाँडीबिल्डिंग एवं फिजिक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में उज्जैन के बाँडी बिल्डर अफराज भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। वे मॅस फिजीक अबोव 165 सेंटीमीटर वर्ग में एशिया के शीर्ष बाँडी बिल्डरों को चुनौती देंगे।

राज्य शरीर सौष्ठव संस्था के चेयरमैन प्रेमसिंह यादव एवं प्रादेशिक अध्यक्ष तथा पूर्व मिस्टर

इंडिया जितेंद्र कुशवाह ने बताया कि भारतीय टीम में मध्यप्रदेश से नीमच के अरबाज और उज्जैन के अफराज का चयन हुआ है। अरबाज 85 किलोग्राम वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वे मिस्टर इंडिया का खिताब भी अपने नाम कर चुके हैं। राष्ट्रीय निर्णायक शैलेन्द्र व्यास एवं स्वामी मुस्कुराके ने बताया कि उज्जैन के अफराज इससे पहले इंडिया, एशिया एवं साउथ एशिया स्तर पर ओवरऑल इंडिया चैंपियन रह चुके हैं।

राष्ट्रीय मल्लखंब प्रतियोगिता में उज्जैन के खिलाड़ियों का चयन



दैनिक अवन्तिका ►► उज्जैन

अखिल भारतीय मल्लखंब प्रतियोगिता का आयोजन लक्ष्मी व्यायाम मॉंदर द्वारा 27 से 29 सितंबर 2026 तक झांसी में किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता के लिए मध्यप्रदेश टीम में योगा कनक श्रृंगा एवं स्पोर्ट्स एसोसिएशन, उज्जैन के

खिलाड़ी वेदास कोठार एवं आरोही बारोड़ का चयन हुआ है। इस अवसर पर संस्था सचिव एवं कोच संतोष सोलंकी, राजेश कोठार, चेतन बारोड़, अनिता कोठार एवं संस्था उपाध्यक्ष सपना माली ने दोनों खिलाड़ियों का पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

होटल बोट ग्रांड

HOTEL BOAT GRAND

पता:
कंठाल चौराहा 39,
उज्जैन, मध्य प्रदेश - 456006

मो: +91 9753594270
+91 8109450054

दैनिक अवन्तिका

इंदौर | उज्जैन | रविवार 27 सितंबर, 2026 | www.awantika.com

03

न्यूज़ ब्रीफ

सेवाचित्र प्रदर्शनी में दिखी

विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा

इंदौर। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित मेरे सपनों का भारत विषयक चित्रकला प्रतियोगिता के चयनित उत्कृष्ट चित्रों की जिला स्तरीय सेवाचित्र प्रदर्शनी आज सांदीपनि शासकीय अहिल्याश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 पोलोग्राउंड इंदौर के ऑडिटोरियम में आयोजित हुई। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपने सपनों के भारत की कल्पना को रंगों और रेखाओं के माध्यम से अत्यंत सुंदर एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला 29 को

इंदौर। युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार, इनोवेशन एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला रोजगार कार्यालय इंदौर द्वारा 29 सितम्बर 2026 (मंगलवार) को एक दिवसीय युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह रोजगार मेला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नन्दानगर इन्डौर में प्रातः 10.30 से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा। मेले में युवाओं को रोजगार के साथ-साथ स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु ऋण प्रक्रिया एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

विभिन्न व्यापारी संघों ने आभार जताकर किया अभिनन्दन

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का शनिवार को भोपाल विकास योजना- 2047 (मास्टर प्लान) का ड्राईफ्ट जारी होने पर भोपाल शहर के विभिन्न व्यापारी संघों एवं व्यावसायिक संगठनों ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर आभार व्यक्त किया। मास्टर प्लान के ड्राईफ्ट रिलीज के लिए मुख्यमंत्री का स्वागत-अभिनन्दन भी किया। मौके पर उपस्थित व्यापारी संघों एवं व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि भोपाल शहर का मास्टर प्लान वर्तमान की एक बड़ी जरूरत थी, जिसे सरकार ने पूरा कर दिया है।



नैनो न्यूज

- देवास : पेंशन खातों में पहुंचे 212 करोड़-** देवास से मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 35.42 लाख हिताह्वियों के खातों में 212.57 करोड़ रुपए अंतरित किए।
- शाजापुर : शिक्षिका की जगह पढ़ा रहा था पति-** मुल्ताखेड़ी के सरकारी स्कूल में शिक्षिका की जगह पति के पढ़ाने का मामला सामने आया। जांच के बाद प्रधानाध्यापक समेत दो निलंबित हुए।
- सुसनेर : अन्धधुंध उपचुनाव में सरगमी बढ़ी-** सुसनेर नगर परिषद अध्यक्ष उपचुनाव को लेकर प्रत्याशियों ने जनसंपर्क तेज किया। कांग्रेस प्रत्याशी विष्णु पाटीदार के समर्थन में जयवर्धन सिंह पहुंचे।
- आगर : नलखेड़ा हादसे के बाद जांच-**बागलमुखी मंदिर के पास बरसाती नाले में कार बहने से आठ श्रद्धालुओं की मौत के बाद हादसे को लेकर प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई जारी है।
- रतलाम : बारिश कम, सिंचाई पर रोक-** रतलाम में सामान्य 35.15 इंच के मुकाबले मात्र 23 इंच बारिश हुई। धोलबड़ बांध 45 प्रतिशत भरने से सिंचाई के लिए पानी रोक दिया गया।

संभाग में कोई भी स्कूल जीर्ण-शीर्ण भवन में संचालित नहीं किया जाये—संभागायुक्त

आधा साल बीतने को पूरी किताबें वितरित नहीं हुई

परंपरागत समीक्षा निदेशों में उलझी शिक्षा की व्यवस्था

दैनिक अवन्तिका ►► उज्जैन

जिले में शिक्षा की व्यवस्था परंपरागत समीक्षा निर्देश व्यवस्था में उलझकर रह गई है। आधार साल बीतने को आया है और उज्जैन जिले में पूरी किताबें तक विद्यार्थियों को उपलब्ध नहीं हो सकी है। पाठ्य पुस्तक निगम से जिले के 7 विकासखंडों में इस सत्र के लिए हाईस्कूल कक्षा के लिए 4 लाख 83 हजार 490 किताबें मांगी गई थीं, लेकिन निगम से महज 4 लाख 50 हजार 890 ही पहुंचीं। कागज पर वितरण पूरा 100% सामने आ रहा है जबकि जमीनी हकीकत में 32 हजार 600 किताबें कम हैं।

पुलिस का दावा- 99 प्रतिशत हत्याओं में परिचित या स्वजन ही आरोपी निकले

अपराध घटे, लेकिन हत्या के मामलों ने बढ़ाई चिंता

दैनिक अवन्तिका ►► इंदौर

इंदौर कमिश्नरेट में अपराध के ग्राफ में मिलाजुला असर देखने को मिला है। एक ओर लूट, चैन लूट, गृहभेदन और दुष्कर्म जैसे अपराधों में गिरावट दर्ज की गई है, वहीं दूसरी ओर हत्या, वाहन चोरी, अपहरण और छेड़छाड़ की घटनाओं में बढ़ोतरी ने पुलिस की चिंता बढ़ा दी है।

आंकड़े बताते हैं कि संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगा है, लेकिन व्यक्तिगत विवादों और महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में चुनौती बनी हुई है। हत्या के मामलों में सबसे अधिक उछाल आया है। वर्ष 2024 और 2025 में हत्या के 44-44 मामले दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर 60 तक पहुंच गया यानी पिछले वर्ष की तुलना में हत्या के मामलों में करीब 36 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

छेड़छाड़ के मामले भी बढ़े

महिला संबंधी अपराधों में तस्वीर मिश्रित है। दुष्कर्म के मामले 2025 के 276 से घटकर 2026 में 177 रह गए, जबकि शादी का झंझा देकर दुष्कर्म के मामले 144 से घटकर 120 हुए। इसके उलट छेड़छाड़ के मामले 326 से बढ़कर 605 हो गए। इस तरह आंकड़े बताते हैं कि एक ओर संपत्ति और कुछ गंभीर अपराधों में कमी आई है, वहीं हत्या, वाहन चोरी, अपहरण और छेड़छाड़ जैसे अपराधों में बढ़ोतरी पुलिस के लिए अलग चुनौती बनकर सामने आई है। एडिशनल पुलिस आयुक्त (कानून) मयंक अवस्थी के मुताबिक हत्या के अधिकांश मामलों में कोई अनजान व्यक्ति नहीं, बल्कि परिचित, रिश्तेदार या परिवार का सदस्य ही आरोपी रहा है। अधिकारियों का दावा है कि करीब 99 प्रतिशत मामलों में हत्या के पीछे अपनों का हाथ सामने आया। इनमें ऐसे मामले भी शामिल हैं, जहां पति ने पत्नी की हत्या की तो कुछ मामलों में पत्नी द्वारा पति की हत्या करवाने के मामले भी सामने आए।

प्रदेश के महामंत्री का कद बढ़ने के कारण सियासी हलचल तेज

गौरव रणदिवे की दावेदारी की बातें बढ़ी

दैनिक अवन्तिका ►► इंदौर

इंदौर के महापौर के लिए

भी उनका नाम सुर्खियों में है इतना

ही नहीं विधानसभा पांच में गौरव की एंट्री होने वाली है पिछली बार भी उनका नाम उछला था, लेकिन टिकट नहीं मिल पाया था इस बार उन्हें मजबूती के साथ देखा जा रहा है। लोग तो यह भी कह रहे हैं कि लोकसभा का दावेदार भी माना जा सकता है। गौरव ने मध्य प्रदेश में भी अपनी धाक को और मजबूत कर लिया है। इंदौर में तो उन्होंने कई तरह के आयोजनों में अपनी हिस्सेदारी निभाई है और कार्यकर्ताओं को जोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

वर्गीय चुनाव लड़े थे तब गौरव ने पूरा माया जाल बिछाया था और कमजोर वार्डों से जीत दिलवाई थी। कैलाश विजयवर्गीय के मद्द् चुनाव में भी उनके उल्लेखनीय योगदान रहा है।

नर्सिंग घोटाला मामले में एमपी हाई कोर्ट ने अपनाया सख्त रुख

मानकों पर खरे नहीं तो नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता क्यों?

दैनिक अवन्तिका ►► इंदौर

हाई कोर्ट ने बहुचर्चित नर्सिंग घोटाला मामले में नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता दिए जाने की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि प्रदेश में ऐसे नर्सिंग कॉलेजों को भी मान्यता दी जा रही है, जो निर्धारित मानकों और आवश्यक आधारभूत सुविधाओं को पूरा नहीं करते। इस पर न्यायमूर्ति आनंद पाठक व न्यायमूर्ति बीपी शर्मा की युगलपीठ ने मध्यप्रदेश नर्सिंग नियामक परिषद से 10 दिन में जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई नौ अक्टूबर को होगी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से सवाल उठाया गया कि यदि किसी नर्सिंग कालेज में नियमानुसार आवश्यक भवन, प्रयोगशाला, प्रशिक्षण सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं तो उसे मान्यता किस आधार पर दी जा रही है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि कुछ संस्थानों में मूलभूत सुविधाओं के अभाव

के बावजूद मान्यता प्रदान की गई। हालांकि ये आरोप फिलहाल याचिकाकर्ता के वक़्ते हैं। हाई कोर्ट ने इन आरोपों पर कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं दिया है और परिषद से स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

कुछ नर्सिंग कालेजों के मान्यता आवेदनों में दर्ज भौगोलिक निर्देशांकों को लेकर भी आपत्ति उठाई गई। याचिकाकर्ता ने पहले आरोप है कि आवेदन में दर्ज स्थान संबंधी जानकारी और कालेज की वास्तविक

स्थिति में अंतर है। इस पर भी परिषद को जवाब देना होगा। परिषद के जवाब से यह स्पष्ट होगा कि मान्यता देने से पहले कालेज के स्थान और उपलब्ध सुविधाओं का किस प्रकार सत्यापन किया गया।

हत्या की कोशिश के मामले आधे से भी कम

आंकड़ों में एक विरोधाभास भी सामने आ रहा है। 2024 में हत्या के प्रयास के 130 मामले दर्ज हुए थे, जो 2025 में बढ़कर 142 हो गए, लेकिन 2026 में यह संख्या घटकर 60 रह गई। बावजूद हत्या के मामले 44 से बढ़कर 60 होना पुलिस के लिए अलग चुनौती है।

लूट-चैन लूट में बड़ी कमी

कमिश्नरेट के आंकड़ों के मुताबिक लूट की घटनाओं में लगातार कमी आई है। 2024 में 101 लूट, 2025 में 38 और 2026 में 17 मामले दर्ज हुए। इसी तरह चैन लूट के मामले 27 से घटकर 19 और फिर 12 रह गए। गृहभेदन भी 330 से घटकर 325 और 2026 में 269 रह गया। साधारण चोरी के मामले भी 355 से घटकर 275 और इस वर्ष 269 दर्ज हुए हैं।



वाहन चोरी और अपहरण में बढ़ोतरी

दूसरी ओर वाहन चोरी पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। 2024 में 1839 वाहन चोरी हुए थे, 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 1936 और 2026 में 2408 पहुंच गया। यानी पिछले वर्ष की तुलना में करीब 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। अपहरण के मामलों में भी लगातार इजाफा हुआ है। 2024 में 379, 2025 में 614 और 2026 में 755 मामले दर्ज हुए।

700 से अधिक स्कूलों की हालत मरम्मत लायक- उज्जैन

जिले में पहली से आठवीं तक के स्कूल भवनों की स्थिति यह है कि 700 से अधिक स्कूल भवनों में कुछ न कुछ मरम्मत की स्थिति बनी हुई है। 42 शालाओं की जीर्ण-शीर्ण अवस्था के काम अधूरे हैं उनके लिए द्वितीय किश्त जारी नहीं होने के कारण यह हाल बन रहे हैं। करीब 80 में मरम्मत के काम जारी है।

कक्षा 9-12 में सभी भवन ओके- जिले में भले ही शिक्षा की आधार स्थिति कक्षा1 से 8 तक भवनों की स्थिति खराब हो, लेकिन कक्षा 9 से 12 तक भवनों की स्थिति चकाचक है। कहीं पर बहुत आवश्यक होने पर ही छेटा मोटा रिपेयरिंग का काम हो तो हो अन्यथा वो भी नहीं बताया जा रहा है। हाईस्कूल में जिले में 1300 से अधिक सायकलों का वितरण सत्र शुरू होने के आधा साल बीतने के बाद भी नहीं हो सका है।

रेलवे स्टेशन पर ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनों से टिकट लेना आसान

दैनिक अवन्तिका ►► इंदौर

यात्रियों को अनारक्षित टिकट प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल, सुविधाजनक और कैशलेस बनाने के लिए पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने बड़ा कदम उठाया है। रेलवे ने रेल वन एप और यूटीएस एप के साथ ही स्टेशनों पर एटीवीएम (ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन) की सुविधा उपलब्ध कराई है। एटीवीएम के माध्यम से यात्री लंबी कतार में लगे बिना खुद ही अनारक्षित टिकट ले सकते हैं। इसमें क्यूआर कोड आधारित डिजिटल भुगतान की सुविधा भी दी गई है। यात्री किसी भी यूपीआई सक्षम एप से स्क्रीन पर दिख रहे क्यूआर कोड को स्कैन कर तुरंत भुगतान कर सकते हैं और टिकट प्राप्त कर सकते हैं।

यात्रियों को एटीवीएम के उपयोग में कोई परेशानी न हो, इसके लिए रतलाम मंडल ने तीन प्रमुख स्टेशनों पर एटीवीएम फैसिलिटेटर नियुक्त किए हैं। इंदौर स्टेशन पर दो, उज्जैन पर एक और राजस्थान के चित्तौड़गढ़ स्टेशन पर एक फैसिलिटेटर तैनात किया गया है। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि एटीवीएम फैसिलिटेटर उन यात्रियों की मदद करते हैं जिन्हें मशीन चलाना नहीं आती या टिकट निकालने में दिक्कत आ रही है। फैसिलिटेटर यात्रियों की ओर से एटीवीएम के जरिए टिकट निकालकर देते हैं और साथ ही मशीन के उपयोग की प्रक्रिया भी समझाते हैं, ताकि भविष्य में यात्री स्वयं टिकट ले सकें।

4 अक्टूबर को उज्जैन में हृदय रोग एवं सुपर स्पेशलिटी परामर्श शिविर

दैनिक अवन्तिका ►► उज्जैन

माधव सेवा न्यास, उज्जैन एवं ईपीक मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, अहमदाबाद के संयुक्त आयोजन में 4 अक्टूबर 2026, रविवार को हृदय रोग परीक्षण एवं सुपर स्पेशलिटी परामर्श शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर का आयोजन सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक नीलगंगा चौराहा स्थित लोकमान्य तिलक विद्यालय में होगा। शिविर में हृदय रोग, हड्डी, कैंसर, स्त्री रोग, किडनी एवं डायबिटीज सहित विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों के सेवाएं दे रही है और 40 हजार परामर्श देंगे। आयोजन में कार्डियक सर्जन डॉ. अनिल जैन के साथ

हजारों शिविरार्थियों के अनुशासन और भक्ति ने रचा ऐतिहासिक दृश्य

दैनिक अवन्तिका ►► इंदौर

सर सेठ हुकुमचंद जी की धर्म नगरी में पुरुषण महापर्व के पश्चात आज इंदौर की धरती पर सकल जैन समाज का भव्य चल समारोह एवं शोभायात्रा ने ऐसा अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। हजारों श्रावक संस्कार शिविरार्थी एवं हजारों समाजजन तीर्थ चक्रवर्ती परम पूज्य सुधा सागर जी महाराज संसघ के मंगल सान्निध्य में अनुशासन और धार्मिक भावनाओं के साथ शोभायात्रा में शामिल हुए।

धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दहू ने कहा कि आज सुबह से ही विध्या सुधा देशना मंडप (दलाल बाग) से प्रारंभ हुई यंभ व्यू ऐतिहासिक शोभायात्रा निर्धारित मार्ग मोदी जी की नसिया, रामाशाह मंदिर, लश्करी मंदिर, राजवाड़ा, शक्कर बाजार 3 मंदिर, काँच मंदिर होते होते विभिन्न जनालयों के दर्शन-वृंदन करते हुए पुनः तीर्थ स्वरूप आदिनाथ

जानालय छत्रपति नगर पहुंची। इस शोभायात्रा की सबसे बड़ी विशेषता अनुशासन, एकरूपता, धार्मिक उत्साह, तपस्वीयों और हजारों समाज जनो की सहभागिता रही। हजारों शिविरार्थियों का एक साथ शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से चलना इंदौर में पहली बार देखने को मिला। यह दृश्य निश्चुत रूप से गुरुदेव की साधना, प्रेरणा और धर्म प्रभावना की शक्ति का परिचायक बना। नवीन गोधा ने कहा कि सड़क के दोनों ओर उमड़ा समाज शोभायात्रा के स्वागत के लिए सुबह से ही समाजजन अपने घरों से निकलकर सड़कों के दोनों ओर खड़े रहे। जगह-जगह मंच बनाए गए, जहाँ शिविरार्थियों का अक्षत-पुष्पों से भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। पूरे मार्ग में धार्मिक वातावरण, जयघोष और भक्ति की भावना दिखाई दी। हर्ष जैन ने कहा कि यह केवल एक शोभायात्रा नहीं, बल्कि जैन समाज की एकता, संस्कार, अनुशासन और धर्म के प्रति समर्पण का जीवंत दर्शन था।



अब्राहम लिंकन ने अपने पूर्वजों के बारे में जानने पर कहीं ये बातें

www.awantika.com

सम्पादकीय

तकनीक में छाप छोड़ता भारत

इक्कीसवीं सदी के वैश्वीकृत और प्रौद्योगिकी-संचालित संसार में जिस वस्तु को आधुनिक सभ्यता का अदृश्य हृदय कहा जा सकता है, वह अति-सूक्ष्म सेमीकंडक्टर चिप है। जिस प्रकार बीसवीं सदी के वैश्विक भू-राजनैतिक एवं आर्थिक समीकरणों को कच्चे तेल की उपलब्धता और नियंत्रण ने आकार दिया था, ठीक उसी प्रकार आज की डिजिटल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता चालित दुनिया में सेमीकंडक्टर चिप्स वैश्विक शक्ति का नया केंद्र बन चुके हैं। स्मार्टफोन, इलेक्ट्रानिक उपकरणों से लेकर आटोमोबाइल, रक्षा प्रणालियों, एयरोस्पेस, चिकित्सा उपकरणों, संचार और उन्नत सुपरकंप्यूटिंग तक, आधुनिक जीवन का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र बचा हो, जो इन सूक्ष्म सिलिकान चिप्स पर निर्भर न हो। ऐसे निर्णायक दौर में भारत ने केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र बने रहने के बजाय स्वयं को सेमीकंडक्टर निर्माण के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करने का जो संकल्प लिया है, उसे 'सेमीकान इंडिया' पहल के नाम से जाना जाता है।

भारत सरकार ने देश को सेमीकंडक्टर निर्माण का एक मजबूत वैश्विक केंद्र बनाने के लिए प्रारंभिक वित्तीय परियय के साथ 'राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन' और सेमीकान इंडिया कार्यक्रम की आधारशिला रखी है। वैश्विक सेमीकंडक्टर सम्मेलन 'सेमीकान इंडिया 2026' के मंच से प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने भारत के इस परिवर्तनकारी संकल्प को वैश्विक विश्वसनीयता प्रदान की। सेमीकंडक्टर विनिर्माण प्रक्रिया को मुख्य रूप से तीन चरणों में विभाजित किया जाता है- डिजाइनिंग, फैब्रिकेशन और संयोजन एवं पैकेजिंग। भारत की रणनीतिक योजना इन तीनों चरणों को समानांतर रूप से मजबूत करने की है। भारत के पास पहले से ही चिप डिजाइनिंग की क्षमता मौजूद है। दुनिया की लगभग सभी प्रमुख चिप डिजाइन कंपनियों के बड़े अनुसंधान और विकास केंद्र भारत में स्थित हैं। सेमीकान इंडिया के अंतर्गत शुरू की गई 'डिजाइन-संबद्ध प्रोत्साहन' योजना का उद्देश्य घरेलू स्तर पर भारतीय स्टार्टअप्स और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को अपनी बौद्धिक संपदा विकसित करने और स्वदेशी चिप्स डिजाइन करने के लिए वित्तीय और तकनीकी संसाधन प्रदान करना है।

संजा का दूसरा दिन आज आसानी से उपलब्ध नहीं गाय का गोबर एवं जंगली फूल



संजा पर्व जब प्रारंभ हुआ, तब हर घर में गाय तो होती ही थी। अतः सखियों को गाय का गोबर आसानी से मिल जाता था। घर की लीपन की हुई दीवारों पर पूर्व से ही बेस रहता था। बस एक लीपन लीपकर गोबर की सहायता से माण्डने माण्डना होते थे। घर को लीपने का कार्य तकरीब सतत चलनेवाली प्रक्रिया थी। ऐसे में गोबर का लीपन एक सौरम लिए हुए रहता था। जबकि आजकल की लड़कियों को यदि कहा जाए कि वह सड़क से गोबर बीन ले संजा के माण्डना माण्डने हेतु तो वे नाक भाँ पिंकोड़ लगेगी। तब लड़कियां घर के समीप ही जंगल में जाकर जंगली फूल चुनकर लाया करती थी। आज से 20 वर्ष पूर्व तक यही परंपरा रही कि संजा के माण्डने,सूरज,चंद्रमा आदि को पैदों की पतियों,फूलों की पंखुड़ियों से ही सजाया जाता था। जंगली फूलों में रंगों की विविधता रहती थी, अतः संजा के माण्डने आकर्षण लिए हुए रहते थे।

आज बनेगा पड़वा का पंखा

संजा पर्व के दूसरे दिन पढ़वा का पर्व की सखियां पंखा का माण्डना बनाएगी। यह माण्डना सेवा का प्रतिक माना जाता है। इस माण्डने के माध्यम से कुंवारी कन्याओं को बताया जाता है कि विवाह पूर्व परिवार के बुजुर्गों की तथा विवाह बाद ससुराल में पति एवं बुजुर्गों की सेवा ही मुख्य ध्येय होना चाहिए। यही संकल्प पंखा की आकृति दिलवाती थी। एक जमाना था जब परिवार के बुजुर्ग भोजन करते तो मां,पति,बहन में से कोई भी पंखा झलने लगती थी,ताकि घर के कमनेवाले लोग भोजन तो शांति से कर सकें। इस बहाने सेवा भी हो जाती थी। यही सीख संजा के माण्डने से मिलती थी।

आज का गीत

संजा तू थारे घर जा...
कि थारी मां मारेगी, के कूटेगी,
के डेली में दक्केगी...
चांद गयो गुजरात, हीरण का बड़ा बड़ा दांत
छोरा-छोरी डरपंगा भई डरपंगा

- श्रीमती स्वाति अंकित जैन

अब्राहम लिंकन का पूरा जीवन प्रेरणादायक है। लिंकन को जीवन में कुछ भी आसानी से नहीं मिला है और उसके लिए उन्होंने कड़ी मेहनत भी की है। ऐसा ही एक प्रेरणादायक किस्सा मिलता है, जब वह अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए चुन लिए गए थे और फिर लोगों ने उनके पूर्वजों के बारे में जानकारी जुटाना शुरू किया....

घटना तब की है जब अब्राहम लिंकन अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर चुने गए थे। उनके इस सर्वोच्च पद पर आते ही लोगों ने उनके पूर्वजों तक के बारे में खंगालना आरंभ कर दिया था। जब यह बात लिंकन को पता चली तो उन्होंने सभी से करबद्ध निवेदन करते हुए कहा, यदि आप मेरे विगत जीवन को केवल इसलिए खंगालने का प्रयत्न

विचार-मंथन

ब्रह्माण्ड के अंश से आत्मा की उत्पत्ति

पितृपक्ष या श्राद्ध कर्म का विज्ञान

जीवन का अंतिम संस्कार अंत्येष्टि है। इसी के साथ जीवन का समापन हो जाता है। तदुपरांत भी अपने वंश के सदस्य की स्मृति और पूर्वजन्म की सनातन हिंदू धर्म से जुड़ी मान्यताओं के चलते, कुछ परंपराओं के निर्वहन की निरंतरता बनी रहती है। इसमें पितृपक्ष के समय श्राद्ध क्रिया प्रतर्वर्ष की जाती है। इस क्रिया को हम अपने दिवंगतों के प्रति आदर का भाव प्रकट करने का माध्यम मानते हैं। वैसे मृत्यु से लेकर श्राद्ध कर्म तक

जो भी क्रियाएं अस्तित्व में हैं,,उनके पीछे शरीर और प्रकृति का विज्ञान जुड़ा है,जिसे नकारा नहीं जा सकता। श्राद्ध की मान्यता आत्मा के गमन से जुड़ी है। चूड़ामणि उपनिषद् में कहा है कि ब्रह्म अर्थात ब्रह्मांड के अंश से ही प्रकाशमयी आत्मा की उत्पत्ति हुई है। इस आत्मा से आकाश,,आकाश से वायु, वायु से अग्नि,अग्नि से जल,जल से पृथ्वी की उत्पत्ति हुई। इन्हीं पांच तत्वों के समन्वित रूप से मानव व समस्त प्राणी जगत और ब्रह्मांड के सभी आयाम अस्तित्व में हैं। अतएव हिंदुओं के अंत्येष्टि संस्कार में मृत शरीर को अग्नि में समर्पित करके पांचों तत्वों में विलीन करने की परंपरा है।

आत्मा या शरीर के अंशों के इस विलय को संस्कृत में 'प्रेती' कहा है। इसे ही बोलचाल की भाषा में 'प्रेत काल' माना जला। इसे ही धन के लालचियों ने भूत-प्रेत या अतीन्द्रिय शक्तियों की हानि पहुंचाने वाली मानसिक व्याधियों से जोड़ दिया। जबकि शरीर में आत्मा के साथ-साथ मन व प्राण भी होते हैं। आत्मा के अजर-अमर रहने वाले अस्तित्व को अब विज्ञान ने भी स्वीकार लिया है। मन और प्राण जब शरीर से मुक्त होते हैं,,तब भी शरीर में इनका असर बना रहता है। इस कारण ये शरीर के चहूँओर भ्रमण करते रहते हैं। मन चंद्रमा का प्रतीक माना है। भारतीय दर्शन में इसीलिए स्थूल व सूक्ष्म शरीर की कल्पना कर विवेचना की गई है। पितृपक्ष की अवधि में ऐसी धारणा है कि मृतकों के सूक्ष्म अंश श्राद्ध की अवधि में परिजनों के इर्द-गिर्द मंडराते रहते हैं और श्राद्ध क्रिया से संतुष्ट होकर लौट जाते हैं। हालांकि संपूर्ण शरीर में सत्रह सूक्ष्म इंद्रियों का

आवास होता है। इनमें पांच कर्मेन्द्रियां, पांच ज्ञानेन्द्रियां, पांच प्राणेन्द्रियां, एक मन और एक बुद्धि हैं। यही इंद्रियां छह धातुओं त्वचा, रक्त, मांस, मेदा, मज्जा और अस्थि निर्मित स्थूल शरीर में प्रवेश कर उसे संपूर्ण बनाती हैं। अतएव स्थूल शरीर से जब ये सूक्ष्म इंद्रियां निकलती हैं,,तब सूक्ष्म शरीर की रक्षा के लिए वायवीय अर्थात वायुचालित या काल्पनिक शरीर धारण कर लेती हैं। इसे ही प्रेत-संज्ञा दी गई है। वायु तत्व की प्रमुखता से शरीर माया-मोह से मुक्त नहीं होने के कारण परिजनों के निकट भटकता रहता है। इसी प्रेतत्व से छुटकारे का उपाय दशगात्र एवं श्राद्ध आदि क्रियाएं हैं।

हिंदुओं में दाहक्रिया के समय कपाल क्रिया प्रचलन में है। गरुड़,पुराण के अनुसार शवदाह के समय मृतक की खोपड़ी को डंडे से प्रहार करके फोड़ कर घी की आहुति दी जाती है। चूँकि खोपड़ी का अस्थिरूपी कवच इतना मजबूत होता है कि सामान्य आग में वह आसानी से भस्मीभूत नहीं हो पाता है। इसलिए उसे घी डालकर टुकड़े-टुकड़े कर दिया जाता है,जिससे यह भाग पूर्णरूप से पंचतत्वों में विलय हो जाए। इस क्रिया के प्रचलन से मान्यता जुड़ी है कि कपाल का भेदन हो जाने से प्राण तत्व पूरी तरह मुक्त हो जाते हैं और पुनर्जन्म की प्रक्रिया का हिस्सा बन जाते हैं। इस विषयक एक मान्यता यह भी है कि यदि मॉस्किंक का भाग अधजला रहेगा तो अगले जन्म में शरीर पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो पाएगा। मस्तिष्क में ब्रह्मा का निवास माना गया है, जो ब्रह्मधर्म में प्राण के रूप में स्थिर रहता है। ऐसा माना जाता है कि शिशु जब गर्भ में जीवन ग्रहण करता है तो वह इसी रंध से होकर भ्रूण के शरीर में प्रवेश पाता है। यह बिंदु सिर के सबसे ऊपरी भाग में होता है। इसी भाग पर चोटی रखने का विधान है। यह भाग अत्यंत मुलायम होता है। चूँकि जीवन इस छिद्र से होकर शरीर में प्रवेश करता है,इसलिए कपाल क्रिया के माध्यम से इसे संपूर्ण रूप से बाहर निकालने का विधान स्मृत जाता है,जिससे शरीर में पूर्व की कोई स्मृति शेष न रह जाए। इसे भौतिक शरीर का एंटीना भी कह सकते हैं।

इस ब्रह्मरंध्र का सबसे प्राचीन विज्ञान-सम्मत उल्लेख महाभारत में मिलता है। अश्वत्थामा जब पाण्डवों के वंशनाश के लिए अभिमन्यु की

कर रहे हैं कि मैं अब राष्ट्रपति हूं तो यह मुखंता के अलावा कुछ नहीं है। राष्ट्रपति तो मैं अब बना हूं, इसलिए कृपया आप मेरे पुराने जीवन के प्रसंगों को खोज-खोजकर उनमें से महानता ढूंढने का प्रयास न करें।

अपनी जिम्मेदारियों की ओर इशारा करते हुए लिंकन ने कहा, मेरा सारा ध्यान अब इस बात पर है कि मैं अपने पद पर रहते हुए ऐसा क्या खास करूँ कि अमेरिका पूरे विश्व में एक महान और विकसित राष्ट्र के रूप में समृद्ध हो। यदि मैं अपने देश के लिए कल्याण के कार्य करूंगा तो किसी को भी मेरी महानता बताने का प्रयास नहीं करने पड़ेगा। मैं चाहता हूँ कि मुझे इन बातों से कतई न

इन्दौर, रविवार 27 सितम्बर 2026

लोहे का दाव

कस्बे के सबसे पुराने सिद्ध हनुमान मंदिर के मुख्य सिंहद्वार की सीढ़ियों के किनारे पथर के भारी खंभे के पास लोहे का एक पुराना और घिसा हुआ दाव पिछले बीस सालों से जमीन में गड़ा हुआ था। उसका भारी मुड़ा हुआ फल बरसी की रगड़ और बारिश की मार से मटमैला हो चुका था पर उसकी धार पर आज भी नारियल की सुखी जटाओं के रेशे लिपटे रहते थे। मंदिर के ट्रस्टियों ने उस लोहे के औजार के चारों तरफ पीले मेंदे के फूलों की एक ताजा माला लपेट दी थी। उस खंभे के ठीक बाल में फटी बोरी बिछाकर हर सुबह सात बजते ही सोमेश्वर काका अपनी लकड़ी की लाठी टेककर आकर बैठ जाते थे। सफेद खदर का धोती-कुर्ता पहने और आँखों पर गोल पीतल की कमानी का चश्मा चढ़ाए सोमेश्वर काका दिन भर उस लोहे के दाव को अपनी कांपती उँगलियों से सहलाते रहते थे। मंदिर में सुबह से ही दर्शनार्थियों की लंबी कतारें लग रही थीं, बड़े-बड़े सेठ सवा सौ नारियल फोड़ने की मन्तवें पूरी कर रहे थे और पुजारियों के मंत्रोच्चार से पूरा परिसर जूँज रहा था। उन नए श्रद्धालुओं और नारियल की मिठाई बाँटते व्यापारियों को उस कोने में गड़े लोहे के पुराने औजार से कोई सरोकार नहीं था। मंदिर का पुराना पानीवाला सुखिया जब भी पीतल की बाल्टी लेकर सीढ़ियाँ धोता तो काका की उस शांत मूर्त को देखकर सहम जाता था। काका बहुत ही कांपती आवाज में उससे पूछते क्यों रे सुखिया आज नारियल दिवस के इस बड़े मेले में इस पुराने दाव से किसी किसान का सूखा जटादार नारियल छिला क्या या आज भी सिर्फं वीआईपी भक्तों की गाड़ियों पर ही प्रसाद चढ़ाया जा रहा है? सुखिया बस अपनी नजरें नीची कर लेता और एक ठंडी गहरी साँस भरकर चुपचाप आगे बढ़ जाता था। मंदिर प्रबंधन में हाल ही में राजधानी के बड़े धार्मिक न्यास बोर्ड से नए मुख्य प्रशासक के रूप में नियुक्त होकर आए साहब पाघवंरें शर्मा बहुत ही कड़ुक, आधुनिक प्रबंधन के विशेषज्ञ और मंदिर के अनुशासन के पक्के अफसर माने जाते थे।

हिंदू धर्म में अंतिम संस्कार पुत्र से ही कराने की मान्यता है। दरअसल पुत्र चूँकि पिता के वीर्यांश से उत्पन्न है,अतएव वह पिता का प्रतिनिधित्व करने का वाहक भी है। ब्रह्मा ने बालक को पुत्र कहा है। मनुस्मृति में पुं नामक नरक से त्र त्राण दिलाने वाले प्राणी को पुत्र कहा है। इसी नाते पिंडदान एवं श्राद्धादि कर्म का दायित्व पुत्र पर है। हालाँकि पुत्र नहीं होने पर पुत्री से भी ये संस्कार कराए जा सकते हैं। चूँकि हिंदु दर्शन मानता है कि मृत्यु के साथ मनुष्य का पूर्णतः अंत नहीं होता है। मृत्यु द्वारा आत्मा शरीर से पृथक् हो जाती है और वायुमंडल में विचरण करती है। हालाँकि यही आत्मा मनुष्य के जीवित रहते हुए भी स्वप्न-अवस्था में शरीर से अलग होकर भ्रमण करती है,लेकिन शरीर से उसका अंतर्संबंध बना रहता है। रुग्णावस्था में भी आत्मा और शरीर का अलगाव बना रहता है। लेकिन मृत्यु के बाद आत्मा पूर्णतः पृथक् हो जाती है। ऋग्वेद में कहा भी गया है कि जीवात्मा अमर है और प्रत्यक्षतः नाशवान है। इसे ही और विस्तार से श्रीमद्भगवद्गीता में उल्लेखित करते हुए कहा है,आत्मा किसी भी काल में न तो जन्मती है और न ही मरती है।जिस तरह से मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्याग कर नए वस्त्र धारण कर लेता है,उसी अनुरूप जीवात्मा मृत शरीर त्याग कर नए शरीर में प्रवेश कर जाती है।

क्षमावाणी – घटना याद रखो पर उसका विष मत ढोओ

[प्रसंगवश 27 सितंबर: क्षमावाणी पर्व]

कुछ रिश्ते टूटते नहीं, बस उनके बीच अदृश्य दीवार खड़ी हो जाती है। उसकी ईंटें अक्सर दोनों तरफ के लोग रखते हैं—एक शब्द इधर से गया, जवाब उधर से आया, फिर चुपी और देखते-देखते दूरी बन गई। मनुष्य रिश्ते बनाता है, पर अपनी बात और अहं बचाने में ऊर्जा लगा देता है। यहीं क्षमावाणी कहती है—एक बार अपनी बात नहीं, अपने भीतर को देखो। वह आत्मा से पृथ्वी है—क्या बचाकर रखा है हमने, पुरानी नाराजगी या कोई अपना? दिगंबर जैन परंपरा में यह आत्मावलोकन, क्षमा

और संबंधों में जमी कठोरता को पिघलाने का अवसर है। इसे केवल धार्मिक परंपरा मानना इसके मानवीय अर्थ को सीमित करना होगा। आज मनुष्य को क्षमा से अधिक अपनी प्रतिक्रियाओं से मुक्ति की जरूरत है। आज हमारे पास संवाद के साधन अधिक हैं, लेकिन सुनने का धैर्य लगातार कम होता जा रहा है। संदेश गलत समझा गया तो मन में माँट, उत्तर देर से मिला तो शिकायत, प्रशंसा नहीं मिली तो खटास, बात काटी गई तो अहं को

क्षमा का अर्थ यह नहीं कि सामने वाला सही था, अन्याय उचित था या अपनी गरिमा छोड़ दी जाए। क्षमा का गहरा अर्थ है—मैं अपने भीतर किसी दूसरे के व्यवहार को हमेशा के लिए जगह नहीं दूँगा। चोट देने वाला जिम्मेदार था; उसे वहाँ तक ढोना हमारा अपना बोझ बन जाता है।

कई बार शिकायत करने वाला आगे बढ़ चुका होता है, जबकि हम उसी घटना को बार-बार दोहराते रहते हैं। वह सामने नहीं होता, फिर भी उसकी कही बात हमारे वर्तमान को प्रभावित करती रहती है। क्षमावाणी पृथ्वी है—क्या हर पुरानी शिकायत को आज भी अपने वर्तमान का हिस्सा बनाए रखना जरूरी है? सबसे कठिन काम है मन से कहना—अब छोड़ भी दो। कहना सरल, करना कठिन। क्षमा माँगने के लिए अहम् को

चोट और अपेक्षा अधूरी रही तो रिसता कटघरे में खड़ा हो गया। छोटी-छोटी घटनाएँ जुड़कर शिकायतों का अभिलेखागार बन जाती हैं, जिसे मिटाने के बजाय हम बार-बार खोलते रहते हैं। क्षमावाणी उसी पुराने अभिलेखागार को साफ करने का अवसर है। वह पृथ्वी है—भीतर आखिर ऐसा क्या जमा है, जिसे हम छोड़ नहीं पा रहे? कई बार थकान परिस्थितियों से नहीं, वषों से ढोई जा रही भावनाओं से होती है।

क्षमा का अर्थ यह नहीं कि सामने वाला सही था, अन्याय उचित था या अपनी गरिमा छोड़ दी जाए। क्षमा का गहरा अर्थ है—मैं अपने भीतर किसी दूसरे के व्यवहार को हमेशा के लिए जगह नहीं दूँगा। चोट देने वाला जिम्मेदार था; उसे वहाँ तक ढोना हमारा अपना बोझ बन जाता है। कई बार शिकायत करने वाला आगे बढ़ चुका होता है, जबकि हम उसी घटना को बार-बार दोहराते रहते हैं। वह सामने नहीं होता, फिर भी उसकी कही बात हमारे वर्तमान को प्रभावित करती रहती है। क्षमावाणी पृथ्वी है—क्या हर पुरानी शिकायत को आज भी अपने वर्तमान का हिस्सा बनाए रखना जरूरी है?

सबसे कठिन काम है मन से कहना—अब छोड़ भी दो। कहना सरल, करना कठिन। क्षमा माँगने के लिए अहम् को

धर्म-आस्था

पितृ पक्ष: पूर्वजों को तर्पण ही नहीं, उनके संस्कारों को जीवन देने का पर्व

आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से शुरू होने वाला पितृ पक्ष भारतीय परंपरा में अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। सामान्यतः इसे श्राद्ध पक्ष भी कहा जाता है। इन दिनों परिवार अपने दिवंगत पूर्वजों का स्मरण करते हुए तर्पण, श्राद्ध, पिंडदान और अन्नदान जैसी परंपराएं निभाते हैं। लेकिन पितृ पक्ष का अर्थ केवल विधि-विधान पूरा करना नहीं है। इसके भीतर एक गहरा सामाजिक संदेश भी छिपा है—जिस परिवार और समाज ने हमें बनाया, उसके प्रति हमारी जिम्मेदारी क्या है और हम आने वाली पीढ़ी के लिए कैसी विरासत छोड़ रहे हैं? भारतीय चिंतन में मनुष्य को देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण से जुड़ा माना गया है। पितृ ऋण का भाव हमें यह याद दिलाता है कि हमारा अस्तित्व केवल हमारे व्यक्तिगत प्रयासों का परिणाम नहीं है। हमारे माता-पिता, दादा-दादी और उनसे पहले की पीढ़ियों ने अपने संघर्ष, त्याग और संस्कारों से हमारे जीवन की नींव तैयार की है।

इसलिए पितृ पक्ष सबसे पहले कृतज्ञता का पर्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इन दिनों पितरों का स्मरण कर उन्हें जल अर्पित किया जाता है और अन्न का दान किया जाता है। तर्पण और श्राद्ध के माध्यम से पूर्वजों के प्रति सम्मान व्यक्त किया जाता है। अश्विन कुमार बियाणी (दैनिक अवन्तिका)

गहरा सामाजिक संदेश भी छिपा है—जिस परिवार और समाज ने हमें बनाया, उसके प्रति हमारी जिम्मेदारी क्या है और हम आने वाली पीढ़ी के लिए कैसी विरासत छोड़ रहे हैं? भारतीय चिंतन में मनुष्य को देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण से जुड़ा माना गया है। पितृ ऋण का भाव हमें यह याद दिलाता है कि हमारा अस्तित्व केवल हमारे व्यक्तिगत प्रयासों का परिणाम नहीं है। हमारे माता-पिता, दादा-दादी और उनसे पहले की पीढ़ियों ने अपने संघर्ष, त्याग और संस्कारों से हमारे जीवन की नींव तैयार की है।

धार्मिक मान्यताएं अपनी जगह हैं, लेकिन सामाजिक दृष्टि से देखें तो यह परंपरा हमें अपनी जड़ों से जोड़ने का काम करती है। पितृ पक्ष का सबसे बड़ा सामाजिक संदेश शायद यही है कि जिस पीढ़ी ने हमारे लिए जीवनभर दिया, उसके प्रति हमारी जिम्मेदारी केवल मृत्यु के बाद शुरू नहीं होनी चाहिए।

आज परिवार छोटे हो रहे हैं। बच्चे शिक्षा और रोजगार के लिए दूसरे शहरों और देशों में चले जाते हैं। कई घरों में बुजुर्ग अकेले रह जाते हैं। ऐसे समय में पितृ पक्ष हमें एक महत्वपूर्ण प्रश्न पृष्ठता है—यदि हम अपने दिवंगत पूर्वजों के लिए श्राद्ध कर सकते हैं, तो क्या अपने जीवित माता-पिता और बुजुर्गों के लिए समय नहीं निकाल सकते? पितरों के नाम पर तर्पण करने से पहले जीवित बुजुर्गों की जरूरतों को समझना भी हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। उनके साथ बैठना, उनकी बातें सुनना, उन्हें सम्मान देना, समय पर दवा और भोजन की चिंता करना, उनके अनुभवों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना—यह सब किसी भी कर्मकांड से कम महत्वपूर्ण नहीं हो सकता।

पितृ पक्ष हमें दान और सेवा की परंपरा से भी जोड़ता है। अन्नदान इसकी प्रमुख परंपराओं में है। आज इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए जरूरतमंद परिवारों को भोजन, वस्त्र, शिक्षा सामग्री या आवश्यक सहायता दी जा सकती है। किसी भूखे व्यक्ति को भोजन मिल जाए, किसी गरीब बच्चे की पढ़ाई जारी रह सके या किसी बुजुर्ग को सहारा मिल जाए, तो पूर्वजों की

पहचाना जाए कि मैं गरीब था, मेहनती था, बल्कि इन बातों से पहचाना जाए कि मैंने अपने राष्ट्र के लिए ऐसे कार्य किए जिनसे एक नए युग का सूत्रपात हुआ। मैं चाहता हूँ कि आप और हम मिलकर एक ऐसे देश का निर्माण करें जहां पर हर वर्ग समान हो, जहां पर किसी को व्यर्थ ही सताया न जाए। उनकी ऐसी बातों पर वहां उपस्थित लोग देर तक तालियां बजाते रहे। किसी व्यक्ति ने यहां ऊंचे स्वर में कहा, देखना, राष्ट्रपति महोदय की यही बातें एक दिन पूरी दुनिया में प्रसिद्ध होंगी और प्रत्येक व्यक्ति के अंदर प्रेरणा भरेगी। उस व्यक्ति की बातें सत्य साबित हुईं। आज लिंकन के व्यर्थ और शब्द प्रत्येक व्यक्ति को असफलता के क्षणों में नवजीवन प्रदान करते हैं।

06 दैनिक अवन्तिका

लोहे का दाव

कस्बे के सबसे पुराने सिद्ध हनुमान मंदिर के मुख्य सिंहद्वार की सीढ़ियों के किनारे पथर के भारी खंभे के पास लोहे का एक पुराना और घिसा हुआ दाव पिछले बीस सालों से जमीन में गड़ा हुआ था। उसका भारी मुड़ा हुआ फल बरसी की रगड़ और बारिश की मार से मटमैला हो चुका था पर उसकी धार पर आज भी नारियल की सुखी जटाओं के रेशे लिपटे रहते थे। मंदिर के ट्रस्टियों ने उस लोहे के औजार के चारों तरफ पीले मेंदे के फूलों की एक ताजा माला लपेट दी थी। उस खंभे के ठीक बाल में फटी बोरी बिछाकर हर सुबह सात बजते ही सोमेश्वर काका अपनी लकड़ी की लाठी टेककर आकर बैठ जाते थे। सफेद खदर का धोती-कुर्ता पहने और आँखों पर गोल पीतल की कमानी का चश्मा चढ़ाए सोमेश्वर काका दिन भर उस लोहे के दाव को अपनी कांपती उँगलियों से सहलाते रहते थे। मंदिर में सुबह से ही दर्शनार्थियों की लंबी कतारें लग रही थीं, बड़े-बड़े सेठ सवा सौ नारियल फोड़ने की मन्तवें पूरी कर रहे थे और पुजारियों के मंत्रोच्चार से पूरा परिसर जूँज रहा था। उन नए श्रद्धालुओं और नारियल की मिठाई बाँटते व्यापारियों को उस कोने में गड़े लोहे के पुराने औजार से कोई सरोकार नहीं था। मंदिर का पुराना पानीवाला सुखिया जब भी पीतल की बाल्टी लेकर सीढ़ियाँ धोता तो काका की उस शांत मूर्त को देखकर सहम जाता था। काका बहुत ही कांपती आवाज में उससे पूछते क्यों रे सुखिया आज नारियल दिवस के इस बड़े मेले में इस पुराने दाव से किसी किसान का सूखा जटादार नारियल छिला क्या या आज भी सिर्फं वीआईपी भक्तों की गाड़ियों पर ही प्रसाद चढ़ाया जा रहा है? सुखिया बस अपनी नजरें नीची कर लेता और एक ठंडी गहरी साँस भरकर चुपचाप आगे बढ़ जाता था। मंदिर प्रबंधन में हाल ही में राजधानी के बड़े धार्मिक न्यास बोर्ड से नए मुख्य प्रशासक के रूप में नियुक्त होकर आए साहब पाघवंरें शर्मा बहुत ही कड़ुक, आधुनिक प्रबंधन के विशेषज्ञ और मंदिर के अनुशासन के पक्के अफसर माने जाते थे।



दिनांक - 27 सितंबर 2026 रविवार
सूर्योदय - 06:17 सूर्यास्त 18:27
भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 16:30 से 18:00 तक
तिथि - एकम21:03 उपरांत द्वितीया
नक्षत्र - उत्रा भाद्रपद12:05 उपरांत रेवती
योग - वृद्धि13:14 उपरांत ध्रुव करण - बालव
चन्द्रमा - दिन पूर्ण मीना मे रहेगा
मुस्लिम मास - रवि उस्सानी मास 14तारिख

मेघ- कार्यक्षेत्र में नए अधिकार मिल सकते हैं। अधिकारियों से सहानुता मिलेगी।
वृषभ- कारोबारी हैं तो व्यापार में नए सौदे फायदल होने के योग हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्ते में मिठास बढ़ेगी।
मिथुन- अटका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। अपने स्वास्थ्य को लेकर ऊजावार्जन महसूस करेंगे।
कर्क- नीकरी में स्थान परिवर्तन या नई जिम्मेदारी के संकेत हैं। कारोबारी हैं तो मंद पड़े कारोबार में गति आएगी।
सिंह- जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग और प्यार मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। दायत्व जीवन सुखमय रहेगा।
कन्या- संचित धन में वृद्धि होगी। मौसमी बीमारियों को लेकर सतर्क रहें। बजट बिगड़ने के आसार हैं।
तुला- कार्यक्षेत्र में टीम वर्क से बड़े लक्ष्य हासिल करने में सफलता मिलेगी। जोड़ों का दर्द पेशान हो सकता है।
वृश्चिक- कारोबार में क्लाइंट्स के साथ महत्वपूर्ण बातचीत सम्पन्न रहेगी। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी।
धनु- शादी की बात आगे बढ़ सकती है। रुका हुआ पैसा मिलने से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।
मकर- कार्यस्थल पर किसी से बेवजह न उलझें, अपने काम पर ध्यान दें। थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है।
कुंभ- कारोबार में नए काम की शुरुआत के लिए थोड़ा इंतजार करना बेहतर रहेगा। बजट बिगड़ने के आसार हैं।
मीन- लव पार्टनर आपकी भावनाओं की समझेंगा। फिजूलखर्ची पर रोक लगाएँ।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6600 से 6700 विशाल 6400 से 6525 डबकी चना 5800 से 6200 मसूर 6000 महाराष्ट्र संकेद 8200 से 8400 महाराष्ट्र लाल 8500 से 8800 कर्नाटक 8700 से 8900 निमाड़ी तुअर 6500 से 7900 मूंग बेस्ट ममी 7500 से 7700 मूंग बेस्ट बोर्डर 7800 से 7900 मोगर 5500 से 6700 उड़द बोल्ड 9200 से 9500 उड़द गर्मी 8800 से 9200 ग्रॉवटी क्लीन 9500 से 9900 हल्का उड़द 4000 से 6000 काबुली डॉलर 7500 से 8800 काबुली शिखम 6400 से 6600 बिटकी 6000 से 6200 सरसों निमाड़ी 8000 से 8200 रावड़ा 7000 से 7200 सोयाबिन 5700 टोली 5600 से 5800 गेहूँ मिल् क्वालिटी 2750 से 2800 लोकचम 3100 से 3150 पूर्णा 2950 से 3000 मालगुजर 2850 से 2900 मक्का 2500 से 2525 चना दाल 7800 से 7900 मॉडियम 8000 से 8300 बेस्ट 8500 से 8800 तुअर दाल 7900 से 8000 मॉडियम 7900 से 8000 बेस्ट 10300 से 10600 एम्स्ट्रु बेस्ट 11400 से 11600 ब्रांडेड 13000 मूंग दाल 9100 से 9200 बेस्ट 9300 से 9400 मूंग मोगर 11100 से 11200 बेस्ट 11300 से 11400 उड़द दाल 10900 से 11000 बेस्ट 11100 से 11200 उड़द मोगर 11400 से 11800 बेस्ट 12000 से 12200 मसूर दाल 7750 से 7850 बेस्ट 7950 से 8050 रुपए प्रति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्वा 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिना। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एक्वेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एम्स्ट्रु सुपर 15500 से 18000 देशी 13000 से 14000 एक्वेज 12000 से 15000. बारीक 9000 से 10000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2071-3150, चना देशी- 5901 काबकी- 3350-7951, बटला- 3201, रावड़ा- 6850, मूंग- 7600, सोयाबीन- 2700-6085, मैथीदाना- 5240, ससो- 7050-7601, तुअर- 4300, लिल्ली- 10491-11001, मावा- 300-प्रतिकिलो। मावा- 300 प्रतिकिलो। सोना-वॉइन- सोना-स्ट्रेण्ड- 1,50,500 रवा- 1,50,000 चांदी-टंच- 2,33,000 पाट- 2,31,500।

उज्जैन किराना अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन
किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती 75 से 200, तिबार 68 से 130, पोपिया 55 से 85, टुकड़ी 32 से 65, सेठला 36 से 38, परमल 35 से 44, तुवर दाल निमाड़ी 135 महाराष्ट्र 105 से 120, तुवर दाल 80 से 120, मूंगदाल 85 से 110, मोगर 95 से 120, उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, मसूरदाल 75 से 78, चना दाल 72 से 80 ।

'गजानंद युवा मंडल के आयोजन में जनप्रतिनिधियों ने की सहभागिता

खाचरौद। उज्जैन दरवाजा क्षेत्र में गजानंद युवा मंडल द्वारा आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में पूर्व विधायक दिलीप सिंह गुर्जर, नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद भरावा, उपाध्यक्ष दिनेश उन्ना सहित सभी पार्षद साथी उपस्थित हुए। आयोजन के दौरान भगवान श्री गणेश जी की विधिवत आरती एवं सुंदरकांड पाठ सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए। श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक आयोजन में सहभागिता की और भगवान श्री गणेश जी से नगर एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की मंगलकामना की। इस अवसर पर आयोजन के संरक्षक जितेंद्र पंचाल द्वारा सभी अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। आयोजन में गजानंद युवा मंडल के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती मनाई



आचार्य उपाध्याय के पुत्रों के साथ परिवार के सदस्यों के साथ उत्सव

भौरासा। भाजपा के प्रेरणा स्रोत एवं भारतीय जन संघ के संस्थापक दीनदयाल उपाध्याय जी की 110वीं जयंती मनाई गई बुध क्रमांक 218 पर जिसमें मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष अनिल चावड़ा नगर पंचायत उपाध्यक्ष जय सिंह राणा वरिष्ठ भाजपा नेता मांगीलाल पटेल एल्डरमैन प्रदीप मंत्री नरबत यादव मनोहर माली दीपक डोडिया जितेन्द्र पांचाल संदीप प्रजापत रोहित माली आभार बुध अध्यक्ष नरेंद्र माली ने माना उक्त जानकारी मंडल मीडिया प्रभारी प्रेमचंद सेठी ने दी

श्रीमती अन्नपूर्णाबाई शर्मा का निधन

बडौद। नगर के प्रतिष्ठित विद्वान पंडित मदन लाल शर्मा की धर्मपत्नी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता और जिला संयोजक भाजपा आगर एवं सुसनेर मंडल प्रभारी और एल्डरमेन की पूज्यनीय माताजी श्रीमती अन्नपूर्णाबाई शर्मा का 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। जिनकी अन्तिम यात्रा शनिवार को प्रातः उनके निवास से पुराने मुक्तिधाम बस स्टेंड पर ले जाई गई।

किसान और एससी मोर्चा के पदाधिकारियों का स्वागत

ब्यावरा। राजगढ़ भाजपा जिला उपाध्यक्ष के द्वारा नवनियुक्त किसान मोर्चा और एससी मोर्चा के पदाधिकारियों का स्वागत हुआ, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विधायक प्रतिनिधि इन्दरसिंह लववंशी जनपद सदस्य के द्वारा कल्पना भवन ब्यावरा में पधारने पर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षगणों का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीगणेश जी के पूजन एवं आरती से हुआ। तत्पश्चात नवदायित्व प्राप्त सभी साथियों का तिलक, साफा, पार्टी का अंगवस्त्र एवं पुष्पवर्षा कर आत्मीय अभिनंदन किया गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को उनके नवीन दायित्व के लिए हर्ष व्यक्त करते हुए मंगल कामना की

पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती धूमधाम से मनाई

सारंगपुर। भारतीय जनता पार्टी मंडल सारंगपुर द्वारा भाजपा के पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य मंत्री गौतम टेटवाल उपस्थित रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति में कार्यकर्ताओं ने पंडित उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। यह कार्यक्रम सारंगपुर के दीनदयाल चौपाड़ा श्गुन विहार कॉलोनी में संपन्ना हुआ। कार्यक्रम में राज्य मंत्री टेटवाल ने संबोधित करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और एकल मनवानवाद के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

10 दिनों के आतिथ्य के बाद गजानन को दी गई विदाई

अगले बरस तू जल्दी आ... ढोल नगाड़े, डीजे के साथ गणपति बप्पा को किया विदा

दैनिक अवन्तिका ►► सारंगपुर।

सुखकर्ता और दुःखहर्ता कहे जाने वाले प्रथम पूज्य गणपति बप्पा की 10 दिन की आवभगत के बाद शुक्रवार सुबह से लेकर शाम तक विदाई का दौर चल रहा रहा। गणेश चतुर्थी से प्रारंभ हुए गणेश उत्सव का गुरूवार को समापन हुआ और शुक्रवार को विसर्जन हुआ।। गणेश भक्त गणपति बप्पा मोरया... और अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारों के साथ गजानन को विदाई दी गई।

सारंगपुर में स्थापित प्रतिमाओं का विसर्जन नदी-तालाबों में किया जाता है। ढोल-नगाड़ों की धुन पर श्रद्धालुओं की टोलियां दोपहर बाद से अपने बप्पा को विदाई देने के लिए निकल पड़ीं। ऐसे में सड़कों पर ढोल नगाड़ों के साथ रंग गुलाल

उड़ते हुए श्रद्धालु नजर आ रहे हैं। वहीं कई स्थानों पर भगवान गणेश का विधिवत पूजन अर्चन कर उन्हें वाहनों में विराजमान कर उन्हें विसर्जन स्थल ले जाया गया। यहां विसर्जन के साथ ही भक्तों ने अगले साल वापस आने की कामना की।

उल्लेखनीय है कि दस दिवसीय गणेशोत्सव का आखिरी दिन रहा। गणेश चतुर्थी से भक्त पूरे दस दिन तक गणपति बप्पा का विधि-विधान से पूजा करके अनंत चतुर्दशी पर गणेश जी की प्रतिमाओं का विसर्जन करते हैं। इसी कड़ी में सारंगपुर में भी भगवान गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जिसमें भक्त गणपति बप्पा को अंतिम विदाई देते हुए नजर आए।

बड़नगर

दस दिन तक भक्तों के घर-



घर विराजे विघ्नहर्ता गणपति बप्पा को शुक्रवार को नम आंखों से विदाई दी गई। गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारों के साथ नगर में भव्य विसर्जन चल समारोह निकाला गया। शहर के विभिन्न गणेश पंडालों से भगवान गणेशजी झांकियां ट्रैक्टर-ट्रालियों पर सजाकर विसर्जन स्थल तक ले जाई गईं। डीजे, बैड व ढोल ढमाकों की धुन पर युवा जमकर

थिरके। जगह-जगह समाजजनों द्वारा पुष्प वर्षा कर आरती की गई।

नगर पालिका द्वारा विसर्जन स्थल लोहना रोड स्थित चला नदी की छोटी रफ्ट पर साफ सफाई एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। वहीं नदी पर स्वच्छ पानी का एक छोटा तालाब निर्मित किया था जिसमें गणेश जी की छोटी प्रतिमाएं विसर्जित की जा रही थीं एवं बड़ी प्रतिमा नदी

सिटी सेंटर परिसर में गणेशोत्सव का समापन, महाआरती पश्चात हुआ भंडारा

दैनिक अवन्तिका ►► नागदा

महात्मा गांधी मार्ग स्थित सिटी सेंटर कॉम्प्लेक्स परिसर में व्यापारियों द्वारा आयोजित 10 दिवसीय गणेश उत्सव का अनंत चतुर्दशी पर धार्मिक आयोजन के साथ समापन हुआ। गणेश चतुर्थी से परिसर में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित कर प्रतिदिन पूजा-अर्चना, महाआरती एवं प्रसादी का आयोजन किया जा रहा था।

शुक्रवार को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर व्यापारियों ने भगवान गजानन की विधिवत पूजा-अर्चना कर महाआरती की। इसके पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें परिसर के व्यापारियों, कर्मचारियों एवं क्षेत्रवासियों ने प्रसादी ग्रहण की।

मुकाबला हुआ आमने-सामने का

सुसनेर नगर सरकार के इस महामुकाबले में मुकाबला पूरी तरह सीधा और स्पष्ट है। एक तरफ भाजपा के प्रदीप सोनी अपने 5 महीने के कार्यकाल और जनता के बीच सतत उपस्थिति के दम पर मतदाताओं का विश्वास जीत रहे हैं, तो दूसरी तरफ कांग्रेस के विष्णु प्रसाद पाटीदार भी अपनी पूरी सांगठनिक ताकत के साथ मैदान में उटे हैं। आचार संहिता की म्यादांओं के भीतर चल रही यह शांत चुनावी जंग अब अपने अंतिम चरण में है। आगामी 29 सितंबर को होने वाले मतदान में सुसनेर की जागरूक जनता विश्वास और सादगी के इस तराजू पर अपना अंतिम फैसला सुनाएगी।

में विसर्जित की गई। गोताखोर, क्रैन एवं लाइट की व्यवस्था रही। देर रात तक शांतिपूर्ण तरीके से विसर्जन संपन्न हुआ।



कवि सम्मेलन सम्पन्न देर रात्रि तक बही हास्य-व्यंग्य,ओज व श्रंगार की सरिता

ब्यावरा। गणेशोत्सव के अवसर पर बीती रात्रि को नगर की राजन सिटी कॉलोनी में विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन में काव्य रसिकों, साहित्यप्रेमियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर हास्य-व्यंग्य, ओज व श्रंगार रस से सराबोर काव्य रचनाओं का आनंद लिया। कवि सम्मेलन की शुरुआत कवयित्री कु.ऋचा गौड़ ने समधुर स्वरो में प्रस्तुत सरस्वती वंदना से की. सूत्रधार कवि देवेन्द्र दांगी कविराज ने पत्नी-चालीसा रचना सुनाकर श्रोताओं को खूब हँसाया. कवि सम्मेलन का संचालन कर रहे नगर के सुप्रसिद्ध गीतकार कन्हैया इराजर् ने अपनी श्रंगारिक रचना -' तेरी यादों को गाते रहेंगे, जब तलक दुनियादात्री रहेगी...' से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. कवि सम्मेलन में प्रोफेसर शैलेन्द्र मेवाड़ा, मधुसूदन शर्मा छपीहेड़ा, रामेश्वर रोचक (माचलपुर) राजू धाकड़ आदि ने भी अपनी काव्य रचनाओं से श्रोताओं को हँसा हँसाकर लोटपोट कर दिया। देर रात्रि तक चले इस कवि सम्मेलन में राजन सिटी, स्वरूप नगर सहित वरिष्ठ नेता मोहन पंवार मित्रमंडल व गणमान्य नागरिकों, बुजुर्गों, महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही. कवि सम्मेलन के अंत में नगर के वरिष्ठ व्यावसायी संपत मोदनी ने सभी का आभार व्यक्त किया गया।

नवनियुक्त किसान मोर्चा और एससी मोर्चा के पदाधिकारियों का स्वागत



ब्यावरा। राजगढ़ भाजपा जिला उपाध्यक्ष के द्वारा नवनियुक्त किसान मोर्चा और एससी मोर्चा के पदाधिकारियों का स्वागत हुआ, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विधायक प्रतिनिधि इन्दरसिंह लववंशी जनपद सदस्य के द्वारा कल्पना भवन ब्यावरा में पधारने पर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षगणों का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीगणेश जी के पूजन एवं आरती से हुआ। तत्पश्चात नवदायित्व प्राप्त सभी साथियों का तिलक, साफा, पार्टी का अंगवस्त्र एवं पुष्पवर्षा कर आत्मीय अभिनंदन किया गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को उनके नवीन दायित्व के लिए हर्ष व्यक्त करते हुए मंगल कामना की। विश्वास है कि आप सभी संगठन की विचारधारा, सेवा और जनहित के संकल्प को और अधिक मजबूती प्रदान करते हुए अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर किसान मोर्चा जिला प्रशिक्षण प्रभारी रामगोपाल दांगी, जिला प्रभारी आईटी लखन लोधी, पिपलहेला मंडल अध्यक्ष राधेश्याम शांकी, अजा मोर्चा जिला महामंत्री सोनू भदौरिया, जिला मंत्री हरीश शांकायार, जिला कोषाध्यक्ष शंकरलाल अहीरवार, सह कोषाध्यक्ष संदीप, अजा मोर्चा मंडल अध्यक्ष ब्यावार गगन चौहान, मन की बात सह प्रभारी गोपाल गुर्जर एवं मलावर मंडल के कोषाध्यक्ष सुमन सहित सभी पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत किया ।

नमामि भारतम के अंतर्गत 1000 छात्र छात्राओं ने एक साथ गाया संपूर्ण वंदे मातरम



महिदपुर। वंदे मातरम के 150 वें पूर्ण होने पर विद्या भारती द्वारा आयोजित नमामि भारतम कार्यक्रम के अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर महिदपुर परिसर में छात्र-छात्राएं, अभिभावक समिति सदस्य एवं अन्य गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर एक साथ संपूर्ण वंदे मातरम का गायन किया । उक्त कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जैनैंद्र खेमसरा ने वन्देमातरम की पृष्ठभूमि रखी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैलाश धनगर घोष संयोजक मालवा प्रांत, विशेष अतिथि विक्रम वर्मा, जवाहर डोसी, गिरधारीलाल उथरा, कोषाध्यक्ष विमलचंद मेहता, सहसचिव अंतरसिंह राजपूत, सदस्य अंकुर भटवरा, शिवनारायण राठौड़ शासकीय मॉडल विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। साथ ही नगर के अन्य विद्यालय संस्कार पब्लिक स्कूल, दिशा विकास विद्यालय में भी उक्त कार्यक्रम का आयोजन हुआ। उक्त जानकारी विद्यालय के प्राचार्य रामकृष्ण उपाध्याय ने दी।

विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ सामूहिक वंदे मातरम का आयोजन

महिदपुर रोड। नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में वंदे मातरम गायन के डेढ़



सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शासकीय विद्यालय को शिक्षकों विभिन्न विभागों के कर्मचारियों अधिकारियों पत्रकारों तथा विभिन्न समाजों के प्रमुखों की उपस्थिति में सामूहिक वंदे मातरम का गायन कर नगर के शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन में इतिहास रच दिया गया। पूरे भारतवर्ष में एक साथ 11 बजे शुरू हुए सामूहिक वंदे मातरम के दौरान यहां भी सभी ने एक साथ सामूहिक वंदे मातरम का गायन किया। आयोजन में नगर के शासकीय कन्या विद्यालय के प्राचार्य अनिल सेठिया थाना प्रभारी राम सिंह भाभीर सहायक थाना प्रभारी रविंद्र बंसल बैस पत्रकार दिनेश मंडोवरा गोपाल उपाध्याय विद्यालय संचालन समिति के राजेश काठेड़ कैलाश शर्मा दर्पण सोनी नरेंद्र कसरा ग्राम पंचायत बरुखेडी के सरपंच भरत जाट निजी चिकित्सक बी सी राठौर राजेंद्र राठौड़ आदि अतिथियों ने सामूहिक वंदे मातरम का गायन किया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य रामेश्वर परिवार ने किया अतिथियों ने



मल्टावदिया एवं अध्यक्षता विजयकुमार जैन ने की। अतिथि परिचय वरिष्ठ आचार्य मुकेशराव धुले ने कराया। अतिथि स्वागत दिनेश भावसार एवं रविन्द्र पोरवाल ने किया। पश्चात 11बजे सामूहिक वंदे मातरम् का गायन उपस्थित छात्र/बहिन , अतिथि , गणमान्य , समाज सेवी , पत्रकार बंधु, अभिभावक गण एवं मातृशक्ति द्वारा किया गया। जिसमें विद्यालय केशव सभाग्रह में 1555 बैया/ छात्राएं, आचार्य



परिवार, अभिभावक , गणमान्य नागरिक, मातृशक्ति , समाजसेवी, पूर्व छात्र, समिति परिवार पहुचाने के मुख्य नयकों पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर हंसवाहिनी शिक्षा समिति के सदस्य, समाजसेवी , पत्रकार बन्धु, मातृशक्ति उपस्थित रही।

वडोदरा के ख्यातनाम हड्डी रोग विशेषज्ञ देंगे सेवाएं

परमार्थ मानव सेवा संस्थान द्वारा 27 सितम्बर को उन्नीसवां निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

दैनिक अवन्तिका ►► बड़नगर

मानव सेवा और परोपकार के संकल्प के साथ कार्यरत परमार्थ मानव सेवा संस्थान, बड़नगर द्वारा आगामी 27 सितम्बर 2026 (रविवार) को 19वां विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। नयापुरा स्थित शांति वाटिका में आयोजित होने वाले इस शिविर में मुख्य रूप से हड्डी के असाध्य रोग , कमर दर्द एवं रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्याओं की जांच व परामर्श दिया जाएगा। शिविर की तैयारियों को लेकर एक बैठक संस्थापक

अध्यक्ष संजय शर्मा, व अध्यक्ष राकेश जैन (किलोली) की उपस्थिति में रखी गई जिसमें शिविर संबंधित संपूर्ण जानकारी प्रदान की गई साथ ही बताया कि इस बार शिविर में वडोदरा (गुजरात) के प्रसिद्ध 'वायरोक' ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल के अनुभवी चिकित्सकों का दल अपनी सेवाएं देगा। इनमें 25 हजार से अधिक जोड़ प्रत्यारोपण व जटिल फ्रैक्चर सर्जरी का अनुभव रखने वाले जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. ब्रजेश भाई शाह, रोबोटिक नी व हिप रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डॉ. चितन परमार ,तथा कंसलटेंट

ऑर्थोपेडिक एवं स्पाइन सर्जन डॉ. प्रतीक पटेल, डॉ प्रकाश चौधरी,डॉ. जेकी पटेल व प्रकाश भाई सालुंके शामिल हैं। इसके साथ ही ऑक्स्पेशनल एवं फिजियोथेरेपी परामर्श हेतु रतलाम से डॉ. ईश्वर पाटीदार तथा स्थानीय चिकित्सक डॉ. के.एम. शर्मा, डॉ. बतुल बुरहानी अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।

संस्थान के पदाधिकारियों ने बताया कि शिविर के लिए पंजीवन प्रातः 10:00 बजे से शुरू होगा तथा स्वास्थ्य परीक्षण प्रातः 10:30 बजे से प्रारंभ किया जाएगा। शिविर में व्यवस्था शुल्क मात्र 20 रुपये रखा गया है,

कालेज में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता सम्पन्न

सारंगपुर। स्थानीय स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में यल सितंबर से चल रहे हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया

गया, जिसमे महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ संगीता गुप्ता के निर्देशन में प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। संचालन डॉ फारूक पठान द्वारा किया गया। जिसमे डॉ अरुणा सोलंकी एवं डॉ वसीम शेख का विशेष सहयोग रहा।

छात्रों के साथ समाज जन भी हुए शामिल

कार्यक्रम में महिला एवं बाल कल्याण समिति के अरविन्द माहेश्वरी, प्रो. लक्ष्मण चेलाणी, सत्यनारायण पांचाल, नगर पालिका उपाध्यक्ष अनिता वर्मा, भाजपा नगर अध्यक्ष नवीन राठौड़, रवि हिंडोलिया, थाना प्रभारी कमलेश सिंधार, पूर्व छात्र डॉ. मधुसूदन सिंह राजावत, संकुल प्राचार्य राधेश्याम परमार सहित बड़ी संख्या में अभिभावक, पूर्व विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में देशवासियों में राष्ट्रीय चेतना और मातृभूमि के प्रति समर्पण का भाव जगाया।

कार्यक्रम देशभर में 25 हजार से अधिक स्थानों पर एक साथ हुए

नमामि भारतम अभियान की कड़ी रहा। अभियान में एक करोड़ से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं नागरिकों की सहभागिता का लक्ष्य रखा गया। आयोजकों के अनुसार सर्वाधिक विद्यार्थियों एवं जनसमुदाय द्वारा एक साथ वन्दे मातरम गायन के इस अभियान को प्रशिक्षा बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रमाणीकरण के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक जितेन्द्र उदय सिंह पंड्या, विशिष्ट अतिथि अनुविभागीय अधिकारी धीरेन्द्र



पाराशर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस महेंद्र सिंह परमार, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राहुल विश्वकर्मा, कार्यक्रम के साक्षी के रूप में सांदीपनी विद्यालय के प्राचार्य कृष्णदास बैरागी, महिला एवं बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अशोक गोधा, सराफा व्यवसायी मुख्य वक्ता

